A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 12 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 133, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews


प्रसंगवश

# तीसरे मोर्चे के सियासी तीरंदाजों का राजनीतिक भविष्य अब क्या ?

**कमलेश पांडे**

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान भाजपा और कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दलों ने जो पारस्परिक एकजुटता दिखाई, उससे भी यहां पिछले 12 वर्षों तक सत्तारूढ़ रही आम आदमी पार्टी यानी 'आप' की सियासी भलाई संभव नहीं हो पाई और भाजपानीत एनडीए के हाथों 'आप' को करारी चुनावी मात मिली। इस चुनाव में 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा की 48 सीटों पर जहां भाजपा ने बाजी मारी, वहीं आप को उसने महज 22 सीटों पर ही समेट दिया।

वहीं, दिल्ली पर सत्तारूढ़ रही इंडिया गठबंधन की सहयोगी 'आप' की रणनीति ही ऐसी मारक रही कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस का यहां तीसरी बार भी खाता नहीं खुलने दिया, जिससे उसके रणनीतिकारों की राजनीतिक पेशानी पर बल पड़ना स्वाभाविक है। दरअसल, यह सब कुछ अनायास नहीं हुआ बल्कि भाजपा की एक सोची-समझी गुप्त रणनीति के तहत किया गया, जिसे अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन बनाने के चक्कर में आप और कांग्रेस नहीं समझ पाई। साथ ही, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों ने भी आप और कांग्रेस के बीच लोकसभा चुनाव 2024 के आए परिणामों के बाद से दिल्ली-पंजाब में चौड़ी हो रही सियासी खाई को पाटने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, बल्कि आप की खुली तरफदारी करके कांग्रेस को नीचा दिखाने का काम किया। इससे भी बात बनते बनते बिगड़ गई।

बता दें कि दिल्ली के पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश की प्रमुख विपक्षी समाजवादी पार्टी यानी सपा के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृण मूल कांग्रेस यानी टीएमसी की सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टी शिवसेना यूबीटी के आलाकमान उद्धव भाऊ ठाकरे, एनसीपी शरद पवार के प्रमुख शरद पवार आदि ने अपने-अपने सूबे में जारी कांग्रेस के सियासी दांवपेचों से खार खाते हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप की खुली तरफदारी की, जिससे कांग्रेस का मुस्लिम-दलित वोट बैंक आप के साथ जुड़ा रहा। इससे दिल्ली में कांग्रेस को तीसरी बार भी जीरो पर समेटने में 'आप' सफल रही।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस के नेतृत्व में बने 'इंडिया गठबंधन' में आप भले ही दिल्ली में शामिल रही, लेकिन पंजाब में उसने दोस्ताना मुकाबला किया। फल यह निकला कि दिल्ली की कुल 7 लोकसभा सीटों में से आप के हिस्से वाली 3 सीटों पर और कांग्रेस के हिस्से वाली 4 सीटों पर भाजपा ने दोनों पार्टियों को जबरदस्त शिकस्त दी। वहीं, पंजाब में हुई दोस्ताना टक्कर के दौरान वहां सत्तारूढ़ 'आप' पर कांग्रेस भारी पड़ी, क्योंकि पंजाब के 14 लोकसभा सीटों में से आप को जहां मात्र 3 सीटों पर जीत मिली, वहीं कांग्रेस ने 7 सीटों पर अपना कब्जा जमा लिया। जो आप नेताओं को नागवार गुजरा। जबकि कांग्रेस ने अपनी सूबाई नेतृत्व की पीठ थपथपाई, जिसने अड़ियल रूख दिखलाकर आप-कांग्रेस में आत्मघाती राजनीतिक समझौता नहीं होने दिया और आप पर दुगुनी से ज्यादा बढ़त हासिल करके दिखला दिया।

समझा जाता है कि यहीं से कांग्रेस और आप में पुनः राजनीतिक दूरी बननी शुरू हो गई, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस की रीति-नीति ही वहां पर सत्तारूढ़ आप की भगवंत मान सिंह सरकार के लिए गम्भीर खतरा बन सकती है। चूंकि कांग्रेस ही पंजाब में मुख्य विपक्षी पार्टी है, इसलिए उसके साथ आप की राजनीतिक मित्रता का पंजाब के लोगों के बीच गलत संदेश जा सकता है। कुछ यही सोचकर आप ने दिल्ली में एकला चलने का निर्णय लिया और इंडिया गठबंधन के क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस विरोध के नाम पर अपने पाले में कर लिया। राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि चूंकि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को अप्रत्याशित सफलता मिली थी, इसलिए उसको और मजबूत किए जाने का दारोमदार भी कांग्रेस पर ही है। लेकिन उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद पवार, पश्चिम बंगाल में टीएमसी आदि को ज्यादा लोकसभा सीटें मिलने से इनकी अंदरूनी प्रतिस्पर्धा कांग्रेस से ही शुरू हो गई, जो बात राहुल गांधी को नागवार गुजरी।

इसलिए 'आत्मनिर्भर कांग्रेस' की रणनीति पर जोर देना उन्होंने पुनः शुरू किया है, जिससे कथित तीसरे मोर्चे के यूपीए, महागठबंधन, महाविकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन के साझीदारों में खलबली मची हुई है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने समय रहते ही इसे समझ लिया और कभी गठबंधन तो कभी एकला चलो की रणनीति अपनाकर खुद को कांग्रेस के मजबूत विकल्प के रूप में उभरी और उसके तमाम सियासी रिकॉर्डों को ध्वस्त करती चली गई। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन का बड़ा भाई बनकर राजनीतिक सफलता पाने में एक बार फिर वह सफल हुई और 52 से 99 संसदीय सीटों तक पहुंच गई।

इसलिए इसको संभाले रखने की उसकी जिम्मेदारी ज्यादा है क्योंकि उसे ज्यादा राजनीतिक लाभ मिला है। लेकिन अरविंद केजरीवाल (आप), अखिलेश यादव (सपा), ममता बनर्जी (टीएमसी), उद्धव भाऊ ठाकरे (शिवसेना यूबीटी), शरद पवार (एनसीपी शरद पवार), तेजस्वी यादव (राजद) जैसे समान राजनीतिक महत्वाकांक्षा वाले राजनेताओं को झेलना राहुल गांधी जैसे कद्दावर और स्पष्टवादी राजनेता के वश की बात भी नहीं है।

इससे साफ है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को सियासी मात देने के लिए इंडिया गठबंधन (पूर्व की यूपीए) में शामिल क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस द्वारा सूझबूझ भरा रिश्ता विकसित किया जाना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि कभी तीसरे मोर्चे या चौथे मोर्चे में शामिल रहे क्षेत्रीय दलों की आपसी प्रतिस्पर्धा से ही भाजपा नीत एनडीए या कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन को भी राजनीतिक ऑक्सीजन मिलती आई है। क्योंकि बिहार में जदयू या राजद और यूपी में सपा और बसपा अपने अपने राजनीतिक हितों के लिए एक गठबंधन में उसी प्रकार से नहीं रह सकते हैं, जिस तरह से भाजपा या कांग्रेस कभी एक दूसरे के साथ खुले तौर पर नहीं आ सकती हैं।

सवाल उठ रहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में कांग्रेस विरोध के चलते भाजपा के हाथों अपनी सत्ता गंवा चुकी कथित तीसरे मोर्चे की आप और उसके सहयोगी दल निकट भविष्य में अब कौन सा राजनीतिक तीर मार लेंगे, देखना दिलचस्प होगा। सच कहूं तो इन क्षेत्रीय दलों के पास कांग्रेस या भाजपा की शरण में जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है, अन्यथा जो इनके संसर्ग में रहेगा, वह उन्हें खत्म कर देगा।

**(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

## सुप्रभात

बड़े मायूस हो हमदर्द का
दर देख आये क्या
किसी की आस्तीं में तुम भी
खंजर देख आये क्या
बड़े खामोश बैठे हो बड़े
गमगीन से हो तुम
किसी की आँख में डूबा
समन्दर देख आये क्या
बड़े मगरूर थे कल तक कि
अब मजबूरियाँ कैसी
कहीं हारा हुआ तुम भी
सिकन्दर देख आये क्या
लुटाने पर तुले हो क्यों
कमाई है जो' बरसों में
फकीरों की अमीरी में
कलन्दर देख आये क्या।

– समीक्षा सिंह

# इस सदी के लिए मानवता के कोड लिख रहा एआई

**पीएम बोले-इसमें दुनिया बदलने की ताकत, यह समाज-सुरक्षा के लिए जरूरी**

**कहा-इतिहास गवाह है कि तकनीक नौकरियां नहीं लेतीं, नई नौकरियां पैदा होंगी**

**पेरिस (एजेंसी)।** पीएम मोदी का फ्रांस दौरे का मंगलवार को दूसरा दिन है। वे पेरिस में एआई समिट में शामिल हुए। उन्होंने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में दुनिया बदलने की ताकत है। यह समाज-सुरक्षा के लिए जरूरी है। यह दिखाता है कि एआई का पॉजिटिव पोटेंशियल असाधारण है। प्रधानमंत्री ने कहा- हम एआई युग की शुरुआत में हैं, जो मानवता को बचाएगा। कुछ लोग मशीनों के इंसानों से बेहतर होने को लेकर चिंतित हैं। भारत अपने एक्सपीरियंस और एक्सपर्टीज को साझा करने के लिए तैयार है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य अच्छा और सभी के लिए हो। मोदी ने कहा कि भारत ने सफलतापूर्वक कम लागत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है। डेटा एम्पावरमेंट के जरिए डेटा की ताकत को अनलॉक किया है। ये विजन भारत के राष्ट्रीय एआई मिशन की नींव है। मोदी ने समिट की शुरुआत एआई को लेकर एक उदाहरण देकर किया। उन्होंने कहा- मैं एक सरल उदाहरण देकर करना चाहता हूं। यदि आप अपनी मेडिकल रिपोर्ट एआई ऐप पर अपलोड करते हैं, तो यह सरल भाषा में आएगी।

# बेंगलुरु एयरो इंडिया शो में पहुंचे 30 देशों के मिनिस्टर

**राजनाथ बोले-ये शो एक और महाकुंभ, दुनिया में शांति के लिए ताकत जरूरी**

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** बेंगलुरु में एशिया के सबसे बड़े एयर शो एयरो इंडिया 2025 की शुरुआत हो चुकी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रक्षा मंत्रियों के कॉन्क्लेव में कहा कि कमजोर रहकर कोई देश कभी भी शांति नहीं ला सकता, केवल मजबूत होकर ही हम बेहतर दुनिया के लिए काम कर सकते हैं। राजनाथ ने कहा कि बॉर्डर सुरक्षा और देश की आंतरिक सुरक्षा के बीच का फर्क खत्म होता जा रहा है। अब हाईब्रिड वॉरफेयर की मदद से शांतिकाल में भी देश के अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जा सकता है। इसलिए हमें तैयार रहने की जरूरत है। सिंह ने कहा, शांति का वट वृक्ष केवल शक्ति की जड़ों पर ही खड़ा हो सकता है। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मुझे लगता है कि एयरो इंडिया के रूप में एक और महाकुंभ शुरू हुआ है। प्रयागराज महाकुंभ आत्म-खोज का कुंभ है, वहीं एयरो इंडिया रिसर्च का कुंभ है।

### आतंकवाद, साइबर अपराध भारत के लिए चुनौती

राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद, साइबर अपराध, मानवीय संकट और जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाएं भारत के लिए बड़ी चुनौती हैं, जो सीमाओं से परे जाकर दुनिया को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने वैश्विक सहयोग और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करने की बात कही। साथ ही पीएम मोदी के पांच 'स' के सिद्धांत– सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि को भारत का आधार बताया।

**मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को किया संबोधित**

# पीएम मोदी करेंगे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ : मुख्यमंत्री

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और समापन कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के आने की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 23 फरवरी को छतरपुर में कैंसर अस्पताल का भूमि-पूजन करेंगे। अगले दिन 24 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का शुभारंभ करेंगे। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की तैयारी जारी हैं। समिट में विदेशों से आने वाले उद्योग और व्यापार समूहों तथा विभिन्न देशों के वाणिज्यिक दूतावासों से बेहतर तालमेल और समन्वय के लिए 12 फरवरी को नई दिल्ली में विशेष बैठक होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणाम, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्र के व्यवस्थित विकास और जनकल्याण को गति प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज कुंभ पहुंच रहे जन सैलाब के संदर्भ में कहा कि मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी अधिक है। रीवा की ओर से प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रीवा सहित मैहर, सतना, मऊगंज और सीधी में ठहरने, भोजन और छोटे बच्चों के लिए दूध-बिस्किट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। शासकीय एजेंसियां, स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से व्यवस्था में लगी हैं। चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए एंबुलेंस और डॉक्टर आदि की भी व्यवस्था है। वाहनों की पार्किंग, पुलिस की हाई-वे पेट्रोलिंग और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आदि की व्यवस्था के परिणाम स्वरुप जाम की स्थिति में तुलनात्मक रूप से कमी आई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज से आने-जाने वालों की बड़ी संख्या को देखते हुए मार्गों के नियोजन, प्रयागराज प्रशासन से तालमेल और श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान लगाते हुए व्यवस्था की जा रही है। महाराष्ट्र सीमा पर भी श्रद्धालुओं और वाहनों के आवागमन का प्रबंधन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज कुंभ जा रहे श्रद्धालुओं से भीड़ और आवागमन की स्थिति का गूगल सहित अन्य स्त्रोतों से जानकारी के आधार पर कार्यक्रम बनाने के आहवान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों से भी जन-सामान्य को इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा वार विजन डॉक्यूमेंट विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने मंत्री और विधायकगण को क्षेत्र के लोगों से बेहतर संवाद के लिए अपने-अपने स्तर पर वर्चुअल व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे विधानसभा क्षेत्र के लोगों के साथ ही राजधानी से भी अधिक प्रभावी तरीके से सतत् संपर्क बनाने में मदद मिलेगी।

# 'सुप्रीम' सुनवाई, कानून तोड़ने वाले कानून कैसे बना सकते हैं

**कहा-अपराधी सरकारी नौकरी नहीं कर सकता, तो दोषी नेता चुनाव कैसे लड़ सकता है**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** क्या दोषी सांसदों और विधायकों के चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए बैन लगना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से इस पर 3 हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग तय समय में जवाब नहीं भी देते तो वे मामले को आगे बढ़ाएंगे। कोर्ट ने अगली सुनवाई 4 मार्च के लिए निर्धारित की है। कोर्ट ने कहा कि दोषी नेताओं पर केवल छह साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। जस्टिस मनमोहन और दीपांकर दत्ता ने कहा...अगर किसी सरकारी कर्मचारी को दोषी ठहराया जाता है तो वह जीवन भर के लिए सेवा से बाहर हो जाता है। फिर

दोषी व्यक्ति संसद में कैसे लौट सकता है। कानून तोड़ने वाले कानून बनाने का काम कैसे कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान निचली अदालतों और एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई की रफ्तार धीमी होने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता। जस्टिस मनमोहन ने कहा कि दिल्ली की निचली अदालतों में मैंने देखा है कि एक या दो मामले लगाए जाते है और जज 11 बजे तक अपने चेंबर मे चले जाते हैं। एमिकस क्यूरे विजय हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देश के दूसरे राज्यों मे बार-बार सुनवाई टाल दी जाती है और वजह भी नहीं बताई जाती। कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि बहुत से ऐसे राज्य हैं जहां अब तक एमपी/एमएलए कोर्ट गठित नहीं की गई। हंसारिया ने कोर्ट को सुझाव दिया कि क्या चुनाव आयोग ऐसा नियम नहीं बना सकता कि राजनीतिक पार्टियां गंभीर अपराध मे सजा पाए लोगों को पार्टी पदाधिकारी नहीं नियुक्त कर सकतीं। कोर्ट बोला- जनप्रतिनिधित्व कानून के कुछ हिस्सों की जांच करेंगे।

# ईवीएम से डेटा डिलीट नहीं करे आयोग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के वेरिफिकेशन के लिए पॉलिसी बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने तक ईवीएम में कोई डेटा रिलोड न करें, न कोई डेटा डिलीट करें। सीजेआई ने कहा, यह कोई विरोध की स्थिति नहीं है। अगर हारने वाले उम्मीदवार को कोई स्पष्टीकरण चाहिए, तो इंजीनियर यह स्पष्ट कर सकता है कि कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। इलेक्शन कमीशन को अब सुप्रीम कोर्ट में ईवीएम की मेमोरी और माइक्रो कंट्रोलर डिलीट करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देनी होगी। अगली सुनवाई 3 मार्च से शुरू होने वाले हफ्ते में होगी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

2

# सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 12 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

# टैरिफ कम कर अमेरिका को खुश करेगा भारत!

**● आयात पर 30 चीजों पर कम कर सकता है टैक्स, तैयारी शुरू ● मोदी की अमेरिका यात्रा में टैरिफ और व्यापार पर चर्चा होगी**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने अमेरिका को खुश करने की तैयारी कर ली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत अमेरिका से आने वाली कुछ चीजों पर टैरिफ कम कर सकता है। ऐसा इसलिए ताकि अमेरिका भी बदले में भारत से जाने वाली चीजों पर ज्यादा टैक्स न लगाए। यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्टील और एल्युमिनियम पर 25 फीसद टैरिफ लगाने की बात कही है। नोमुरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अमेरिका से बढ़े हुए जवाबी टैरिफ से बचने के लिए 30 से ज्यादा चीजों पर टैरिफ कम कर सकता है। साथ ही भारत अमेरिकी डिफेंस और एनर्जी प्रोडक्ट्स की खरीदारी बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। मतलब साफ है, भारत अमेरिका के साथ व्यापारिक झगड़ा नहीं चाहता। इसलिए भारत अमेरिकी सामानों पर टैक्स कम करने की सोच रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत, अमेरिका के साथ व्यापारिक विवादों से बचने की कोशिश कर रहा है। हाल ही के केंद्रीय बजट में सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और महंगी मोटरसाइकिल जैसे कई प्रोडक्ट पर आयात शुल्क कम किया है। यानी भारत

पहले ही कई चीजों पर टैक्स कम कर चुका है ताकि अमेरिका से रिश्ते अच्छे रहें। इसके अलावा, भारत ने अमेरिका के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। जैसे 100 से अधिक अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजने पर सहमति। अब भारत अच्छे व्यापारिक संबंध बनाए रखने की अपनी रणनीति के तहत लग्जरी गाड़ियों, सोलर सेल और रसायनों पर और टैरिफ कम करने पर विचार कर रहा है। मतलब, भारत अमेरिका को खुश रखने के लिए और भी रियायत देने को तैयार है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर भारत अमेरिकी सामानों पर ज्यादा टैरिफ कम नहीं करता है तो अमेरिका भारतीय निर्यात पर भी ऐसे ही टैरिफ लगा सकता है। सोचिए, अगर भारत अमेरिकी कारों पर 25 फीसदी टैक्स लगाता है तो अमेरिका भी भारतीय कारों पर उतना ही टैक्स लगा सकता है। ऐसे में दोनों देशों के व्यापार को नुकसान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी बुधवार को अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा के लिए रवाना होंगे। मोदी अभी फ्रांस के दौरे पर हैं। वह फ्रांस से सीधे अमेरिका के लिए रवाना होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मुलाकात करेंगे।

## राहुल-अखिलेश की फेक फोटो पर जमकर बवाल

### गुस्साई भीड़ ने मैसूरु पुलिस पर किया पथराव, कई घायल

**मैसुरु (एजेंसी)।** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की फर्जी तस्वीर को लेकर कर्नाटक में बवाल मच गया। मैसूरु में इसके खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ और सड़कों पर उतरे लोग हिंसक हो गए। राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव की एक फेक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसे देखने के बाद इनके समर्थक भड़क गए। खासकर मैसूरु के आसपास के इलाकों में सोमवार रात

स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर जो पोस्ट वायरल हुई उसमें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी भी कई गई थी। इससे गुस्साई भीड़ उदयगिरि थाने के बाहर जमा हो गई और आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करने लगी। एक वीडियो में नजर आ रहा है कि कुछ लोग गुस्ताख-ए-रसूल (पैगंबर की निंदा करने वाले) का आरोप लगा रहे हैं। साथ ही, ऐसा करने वालों की तत्काल गिरफ्तारी और मौत की सजा की मांग की जा रही है। हालात उस वक्त और ज्यादा बिगड़ गए जब भीड़ ने पुलिस की गाड़ियों पर पथराव शुरू कर दिया। तनाव बढ़ता जा रहा था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। पूरी घटना में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

## पंजाब पुलिस ध्यान रखे सत्ता बदलती रहती है

**भड़के केंद्रीय मंत्री, कहा-भाजपा आई तो मुश्किल होगी**

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के दो करीबी सहयोगियों को अरेस्ट करने पर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। बिट्टू ने भगवंत मान सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हमारी पार्टी आपको सत्ता से बेदखल भी कर सकती है। सत्ता के नशे में ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी जब सत्ता में आएगी तो उन पुलिस वालों के खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा, जिन्होंने उनके दो सहयोगियों पर केस दर्ज किए हैं। बिट्टू ने पुलिस वालों को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि आप लोगों को राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए। यह ध्यान रखें कि सत्ता बदलती रहती है। फिर भाजपा आएगी तो मुश्किल होगी। दरअसल सोमवार को ही बिट्टू के करीबी राजेश अत्री को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। एक शख्स ने उन्हें वॉट्सऐप पर मिस्ड कॉल की थी और आरोप लगाया कि इस दौरान राजेश अत्री ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने पटियाला के एक पुलिस थाने में एससी-एसटी ऐक्ट में केस दर्ज करा दिया। इस पर आनन-फानन में ही राजेश अत्री को अरेस्ट कर लिया गया। रवनीत बिट्टू इसके बाद से ही भड़के हुए हैं। उन्होंने कहा, प्रदेश की सत्ता हमारे हाथ में आई तो हम चीजें दुरुस्त कर लेंगे। पुलिस अधिकारियों को याद रखना चाहिए कि चुनाव के साथ सरकारें बदलती रहती हैं। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार सत्ता के नशे में चूर हैं। तीन पीढ़ियों से मेरे करीब रहे लोगों को फर्जी शिकायतों के आधार पर परेशान किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने भगवंत मान को खुद को गिरफ्तार करने की चुनौती भी दी।

## महाराष्ट्र सरकार का बड़ा बुलडोजर ऐक्शन

### तीन दिन में 1500 से अधिक अवैध निर्माण किए ध्वस्त

**पुणे (एजेंसी)।** पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के चिखली-कुडलवाडी इलाके में अवैध अतिक्रमण पर बुल्डोजर एक्शन पर राजनीति गरमा गई है। पिछले तीन दिनों में टीम ने 1500 से अधिक बिना अनुमति किए गए कंस्ट्रशन को ध्वस्त कर दिया। सोमवार को 682 कंस्ट्रक्शन पर बुल्डोजर चला और 33.58 लाख स्क्वॉयर फीट जमीन को मुक्त कराया गया। शनिवार से अभियान के पहले ही दिन 42 एकड़ में फैले 222 ढांचों को गिरा दिया गया था। स्थानीय व्यापारियों ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है। हालांकि निगम कमिश्नर का कहना है कि यह कार्रवाई अतिक्रमण की समस्या का सीधा जवाब है, जो सुनियोजित शहरी विस्तार में बाधा डालते हैं। पिंपरी चिंचवड़ के चिखली-कुडलवाड़ी में 4,000 से ज़्यादा प्रॉपर्टी अतिक्रमण विरोधी अभियान की चपेट में आने वाली है। इस अभियान के तहत नगर निगम की जमीन पर बने अवैध शेड, कारखाने, गोदाम, कबाड़ की दुकानें और अवैध इमारतों को हटाया जा रहा है। पिछले साल कुडलवाड़ी में 4,300 से ज्यादा प्रापर्टी मालिकों को नोटिस जारी किया गया था और अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। स्थानीय बीजेपी विधायक ने पिछले साल विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था।

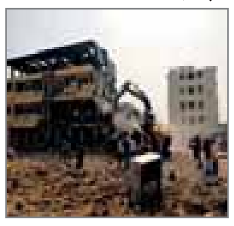

**किसान आंदोलन को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला**

## दो आरोपियों के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर रद्द, कहा- बेवजह लगाई जा रही रोक

**अमृतसर (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट ने 2021 के किसान आंदोलन से जुड़े दो व्यक्तियों के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि दोनों ने जांच में पूरी तरह सहयोग किया और उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी रखना सही नहीं है। जस्टिस संजीव नरूला ने 31 जनवरी को अपने फैसले में कहा कि किसी अदालत ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था, जिसमें इन लोगों को देश में ही रहने के लिए कहा गया हो। अदालत ने कहा कि लुकआउट सर्कुलर जारी रखने का कोई सही कारण नहीं है, इससे केवल उनकी यात्रा के अधिकार पर गलत और बेवजह रोक लगाई जा रही है। कोर्ट ने पाया कि थिलकसरी करुपानंद और शांतनु मुलुक के खिलाफ 2021 की एफआईआर में उनका विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया था। जांच भी निष्कर्ष तक नहीं पहुंची थी। इसलिए, अदालत ने उनके विदेश यात्रा पर लगे प्रतिबंध को हटाते हुए लुकआउट सर्कुलर रद्द कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच रिपोर्ट में ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिले कि दोनों व्यक्तियों ने जांच में असहयोग किया या कानूनी कार्रवाई से बचने की कोशिश की। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में, लुकआउट सर्कुलर जारी करना कानूनी कार्रवाई से बचने की कोशिश है।

## एआई से लैस है भारत की संसद, मुरीद हुए अब्दुल्ला

### मालदीव के स्पीकर ने तकनीक पर ओम बिरला से मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव की संसद के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला ने अपने संसदीय शिष्टमंडल के साथ मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही देखी। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा कक्ष की अतिथि दीर्घा में बैठे मालदीव की 'पीपल्स मजलिस' के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला और उनके साथ भारत आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। पूरे सदन ने मेजें थपथपाकर मेहमानों का अभिवादन किया। मालदीव के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला ने भारतीय संसद में डिजिटलीकरण और तकनीक के इस्तेमाल की सराहना की। उन्होंने खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से चर्चा की। मालदीव के स्पीकर ने लोकसभा अध्यक्ष से इस तकनीक के बारे में लंबी बातचीत की।

# महाकुंभ में श्रद्धालुओं की मजबूरी का फायदा उठा रहा बाइकर्स-गैंग

**2 किमी की दूरी के लिए 400-500 रुपये वसूली, पार्किंग से संगम तक का सफर बना मुनाफे का जरिया**

**प्रयागराज (एजेंसी)।** महाकुंभ में श्रद्धालुओं की मजबूरी का फायदा उठाते हुए एक बाइकर्स गैंग सक्रिय हो गया है। यह गैंग पार्किंग एरिया से संगम तक जाने के लिए श्रद्धालुओं से मनमानी रकम वसूल रहा है। एक ताजा मामले में, जयपुर से आए निशांत पंडित, जो अपने परिवार के साथ 719 किलोमीटर की यात्रा कर महाकुंभ में पहुंचे, को इस गैंग ने अपना शिकार बनाया। पार्किंग से संगम तक जाने के लिए, जो मात्र 2 किलोमीटर की दूरी है, बाइक सवारों ने उनसे दो लोगों के लिए 500 रुपए वसूले। पड़ताल में सामने आया है कि यह समस्या व्यापक है। सैकड़ों श्रद्धालु रोजाना इस तरह की वसूली का सामना कर रहे हैं। बाइकर्स गैंग भीड़ और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की कमी का फायदा उठाकर श्रद्धालुओं से अनुचित वसूली कर रहा है। एक व्यक्ति को ले जाने के लिए 400 रुपये तक मांगे जा रहे हैं।

यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि अधिकांश श्रद्धालु दूर-दराज से आते हैं और उन्हें स्थानीय परिवहन व्यवस्था की जानकारी नहीं होती। गैंग इसी अज्ञानता का फायदा उठा रहा है। प्रशासन की ओर से अभी तक इस समस्या पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ती जा रही है। 10 से 12 किलोमीटर चलना पड़ रहा पैदल श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र मे आने के लिए पैदल 10 से 12 किलोमीटर चलने को छोड़ दिया गया। सबसे पहले चित्रकूट मिर्जापुर के रास्ते आने वाले मार्ग नैनी की तरफ हम पहुंचे। जहां हमे लोगों की भीड़ का रेला हाथ में ट्राली बैग लिए त्रिवेणी संगम की तरफ बढ़ता दिखाई पड़ा।

## तेल-गैस के अकूत भंडार फिर भी आधी आबादी गरीब

### दाने-दाने को तरस रहा ईरान, ट्रंप के दांव से गर्त में शिया मुल्क

**तेहरान (एजेंसी)।** शिया मुस्लिम बहुल ईरान अंतराराष्ट्रीय संबंधों और आर्थिक पैमाने पर संकटपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इजरायल और अमेरिका से तनातनी के बीच उसकी अर्थव्यवस्था लगातार गोते मार रही है। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि मुद्रास्फिति 45 फीसदी के आंकड़े को पार कर गई है और देश की आधी से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा के नीचे चली गई है। ईरानी

मुद्रा रियाल तेजी से गिरती जा रही है। इसकी वजह से लाखों ईरानी संकट में पहुंच चुके हैं। ये सब ऐसे वक्त में हो रहा है, जब ईरान पहले से ही इजारयल और अमेरिका से उलझा हुआ है और अब नए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना अधिकतम दबाव ईरान पर बढ़ा दिया है। ट्रंप ने कड़े प्रतिबंधों के जरिए ईरानी अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने की कसम खाई है।

# वरिष्ठ शायर का संग्रह पांच हज़ार रुपए में ख़रीदा गया

## इस्हाक़ असर के काव्य संग्रह हदीसे-दर्द का विमोचन व मुशायरा

जावेद आलम

**इंदौर।** व्यापार-व्यवसाय केंद्र के रूप में प्रसिद्ध इंदौर के साहित्य-प्रेमी तब्क़े ने स्थानीय उस्ताद शायर दिवंगत इस्हाक़ असर को अलग अंदाज़ में श्रद्धांजलि पेश की। अपने पसंदीदा शायर के तईं विशेष लगाव दिखाते हुए हाल ही आए उनके काव्य संग्रह हदीसे-दर्द की एक-एक प्रति के लिए 5 हज़ार रुपए से लेकर 500 रुपए तक पेश किए गए। किताब के गरिमामय विमोचन समारोह, मुशायरे में पूर्व विधायक व नामचीन कवि सत्यनारायण सत्तन ने इस्हाक़ असर के साथ अपने आत्मीय संबंधों का ज़िक्र किया। इस मौक़े पर आयोजित मुशायरे में स्तरीय शायरी सुनाई गई।

नगर की सांस्कृतिक संस्था अहबाबे-इस्हाक़ असर के तत्वावधान में आयोजित इस विमोचन समारोह में इस्हाक़ असर के शागिर्द, पड़ोसी ज़िले बड़वानी से ताल्लुक़ रखने वाले आरिफ़ अली आरिफ़ ने 5 हज़ार रुपए पेश कर के अपने उस्ताद की किताब की एक प्रति प्राप्त की। उनके अलावा साजिद परवाज़ खरगोन व संस्था 'क़ाफ़िला मुहब्बत का' ने 1 हज़ार, हिना फ़रियाद बहादुर, शरीफ़ कैफ़ व मक़सूद निश्तरी ने पांच-पांच सौ रुपए अदा कर के किताब हासिल की। इन तमाम लोगों का मक़सद दिवंगत शायर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ उनकी रचनाओं का प्रसार व उन्हें सुरक्षित रखना है।

इस मौक़े पर मुख्य अतिथि प्रख्यात कवि, पूर्व विधायक व भाजपा नेता सत्यनारायण सत्तन ने इस्हाक़ असर से अपने प्रगाढ़ व दीर्घकालिक संबंधों तथा नियमित मुलाक़ातों का ज़िक्र किया। उन्होंने कबीर, मीर व ग़ालिब जैसे महान शायरों के अशआर का सहारा लेते हुए इस्हाक़ असर के संघर्ष, जीजिविषा, सत्य के प्रति उनकी निष्ठा व बेबाकी का उल्लेख किया। प्रोफ़ेसर फ़ेहमीदा मंसूरी ने उनकी शायरी व शख़्सियत के विभिन्न पहलुओं की चर्चा करते हुए इस पर अफ़सोस जताया कि उन से बहुत बाद में मुलाक़ात हुई और वह भी ज़्यादा नहीं हो पाई। इस सत्र का संचालन मीडियाकर्मी अखिल राज ने किया।

दूसरा सत्र मुशायरे का था, जिसमें मुख़्तलिफ़ शायरों ने कलाम पेश किया। चुनिंदा अशआर इस तरह हैं...

आरज़ू अश्की
घर से बाहर तो निकाला मेरे बेटे लेकिन
तूने कासा मेरे सामान में नहीं रक्खा
कासा -भिक्षा पात्र

गौहर देवासी
मुक़्तदी बन कर खड़े हैं मेरे पीछे अशआर
पाक अल्फ़ाज़ से ग़ज़लों की इमामत कर लूं
मुक्तदी - नेतृत्वकर्ता के पीछे नमाज़ पढ़ने, चलने वाले / इमामत - नमाज़ का नेतृत्व करना

नीलेश नूर की यह ग़ज़ल ख़ास पसंद की गई। उसके दो शेर इस तरह हैं-

जिन्हें जोड़ने में रोज़ थोड़ा टूट जाता था
उन्हें भी रास आया है मेरा मिस्मार हो जाना
मिस्मार -ध्वस्त
मेरा चेहरा, मेरी आंखें, मुझको बयां नहीं करते
सिखाया ही नहीं मैंने इन्हें अख़बार हो जाना

उन्होंने ठेठ हिंदी ग़ज़ल भी पेश की, जिसे सराहा गया।

हनीफ़ दानिश
लुटा के रोशनी ख़ुश है या जल रहा है वजूद
किसे चिराग़ के अंदर दिखाई देता है

अखिल राज
ज़रा ठहरो मेरे बच्चो, मैं औज़ार ले आऊं
तुम्हारे वास्ते रस्ते अभी समतल बनाता हूं

तजदीद साक़ी
ये पत्ते पतझड़ों के मौसम में
दरख़्तों से वफ़ाएं कर रहे हैं

नौजवान शायर नौमान अली नौमान ने भी अच्छे अशआर सुनाए

इस ख़ौफ़ से कि ख़ुद से न हो जाएं अब जुदा
बैठे हुए हैं अपना ही दामन पकड़ के हम
आप तो ख़ूब हैं, हंस हंस के जिया करते हैं
हर कोई जी न सका इसको मियां, हिज्र है यह
हिज्र -विछोह

आदर्श राजपूत
थी भाइयों से जंग, सिपर छोड़ दी गई
कुंडल उतार फैंके, कवच दान कर दिया
सिपर -ढाल

आरिफ़ अली आरिफ़, बड़वानी
ख़ुदा जब इम्तिहान लेता है, तन-मन टूट जाता है
कभी खाना मयस्सर हो तो बर्तन टूट जाता है

साजिद परवाज़, खरगोन
उसकी गुस्ताख़ियां बढ़ गई हैं
मेरा बेटा बड़ा हो गया है

रईस अनवर
एक लम्हा भी यहां यार बुरा लगता है
जेब ख़ाली हो तो बाज़ार बुरा लगता है

फ़ाज़िल फ़ैज़, भोपाल
एक क़िस्सा, हां वह क़िस्सा, हां वही
आ गया फिर सुर्ख़ियों के बीच में

शरीफ़ कैफ़, सरफ़राज़ नूर, शैली भागवत वग़ैरा ने भी अपना कलाम पेश किया। मुशायरे का कसा हुआ संचालन प्रसिद्ध शायर फ़रियाद बहादुर ने किया तथा उपस्थित शायरों की तादाद देखते हुए उन्होंने कलाम सुनाने की ख्वाहिश तज दी।

# नाचते वक्त मौत, पिता बोले-बेटी का जीवन इतना ही था

## इंदौर की युवती को स्टेज पर आया था हार्ट अटैक, पिछले हफ्ते कराया था चेकअप

**इंदौर (नप्र)।** मेरी बेटी की उम्र इतनी ही थी। वह केवल धर्म में योगदान करने आई थी। डांस करते-करते जब वह गिरी, तब तक उसके चेहरे पर मौत का अहसास भी नहीं था। ऐसे लोग संत के समान होते हैं। अगले एक-दो साल में उसकी शादी का प्लान कर रहे थे। मेरे बेटे की भी साइकिल चलाते समय इसी तरह मौत हुई थी। ये दर्द है 23 साल की परिणीता के पिता का, जिसकी शनिवार को विदिशा में संगीत के दौरान डांस करते-करते हार्ट अटैक से मौत हो गई। परिणीता स्टेज पर मुंह के बल गिरी और कुछ ही सेकेंड में उसकी जान चली गई। पिछले हफ्ते ही उसका रूटीन चेकअप हुआ था, जिसमें सभी रिपोर्ट्स सामान्य आई थीं। आज मंगलवार को इंदौर में हुई शोकसभा में परिणीता के पिता का दर्द छलक उठा।

**पिता बोले- कुछ दिनों पहले ही जांचें कराई थी:** पिता ने बताया, परिणीता समाज के सांस्कृतिक और धार्मिक प्रोग्रामों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थी। ऑफिस के साथ ही घर के काम भी करती थी। वह एक अच्छी कंपनी में जॉब कर रही थी। परिणीता के बाल गिर रहे थे, इसलिए वह परेशान थी। वहीं, परिवार में किसी को भी कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है। फरवरी के पहले सप्ताह में बेटी की सभी जांचें कराई थीं। रिपोर्ट में कुछ भी असामान्य नहीं था। बेटे की मौत के बाद बेटी का ही सहारा था। हम उसकी हर परेशानी का तत्काल उपचार ढूंढते थे। वह खुद भी अपनी हेल्थ को लेकर अलर्ट रहती थी। इसीलिए वह रोजाना जिम जाती थी और योग-प्राणायाम करती थी। परिणीता डांसिंग में काफी अच्छी थी। परिवार में शादी के लिए विदिशा आई थी।

परिणीता जैन

**पड़ोसी बोले- बेटे को मैं कंधे पर उठाकर ले गया था:** पड़ोसी संजय जैन ने बताया, परिणीता का परिवार और हम 25-30 साल से पड़ोसी हैं। पहले हम एक ही बिल्डिंग में रहते थे, लेकिन कुछ साल पहले वे पड़ोस की दूसरी बिल्डिंग में शिफ्ट हो गए। करीब 10-12 साल पहले परिणीता के जुड़वा भाई समय की भी ऐसे ही मौत हुई थी। वह साइकिल चलाते-चलाते गिर गया था। तब मैं वहीं था, उसे तत्काल उठाकर उसे डॉक्टर के यहां ले गया था। डॉक्टर ने उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। कुछ देर चले उपचार के बाद उसने दम तोड़ दिया था। वैसा ही हादसा बेटी के साथ हुआ। इस हादसे से सुरेंद्र जैन ही नहीं हम पड़ोसी भी सदमे में हैं। परिणीता को धार्मिक संस्कार अपने माता-पिता और बुआ विजया दीदी से मिले थे। उन्होंने बताया कि जब तक शादी नहीं होती तब तक उसने ब्रह्मचारी व्रत भी लिया था। वह डांस भी अच्छा करती थी।

**प्रेस्टीज कॉलेज से एमबीए किया, आईटी कंपनी में जॉब:** परिणीता ने इंदौर के प्रेस्टीज कॉलेज से एमबीए किया था। इसके बाद वह विजय नगर की निजी कंपनी में डिजिटल मार्केटिंग से जुड़ी थी। वह घूमने और खाने-पीने की शौकीन थी। वह अकसर नई-नई चीजें ट्राय करती थी। परिणीता को घर में लोग मौनी कहकर बुलाते थे। उसे डांस करने का शौक था। शादी के लिए वह एक महीने से डांस की तैयारी कर रही थी। वह 3 फरवरी को राघौगढ़ पहुंची थी। वहां से दुल्हन और परिवार के साथ विदिशा आई थी।

### विदिशा में ही हुआ अंतिम संस्कार

विदिशा में शनिवार रात 9 बजे महिला संगीत का कार्यक्रम शुरू हुआ, करीब 10 बजे परिणीता डांस करते-करते मुंह के बल गिर गई। शादी में मौजूद डॉक्टरों (रिश्तेदार) ने उसे सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन फिर भी कोई हलचल नहीं हुई। जिसके बाद तत्काल विदिशा के ही प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिणीता की मौत के बाद रात के समय साधारण तरीके से फेरे हुए। रविवार को होने वाले सारे कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए। विदिशा में सारे रिश्तेदार होने के कारण उसका यहीं पर अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार को इंदौर में परिणीता का तीसरा हुआ।

# गेहूं बेचने के लिए इंदौर में रिकॉर्ड पंजीयन

● 31 मार्च तक पंजीयन कर सकेंगे किसान

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर जिले में गेहूं के समर्थन मूल्य पर बिक्री के लिए अब तक 12 हजार 128 किसानों ने पंजीयन कराया

है। साल 2025-26 के लिए सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले साल की तुलना में 150 रुपए अधिक है। कलेक्टर आशीष सिंह ने किसानों से 31 मार्च तक पंजीयन कराने का आग्रह किया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू के अनुसार, किसानों की सुविधा के लिए इस बार पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। जिले में 61 पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां किसान निशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। किसान एमपी किसान एप के अलावा, एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और साइबर कैफे में भी पंजीयन करा सकते हैं। इन केंद्रों पर अधिकतम 50 रुपए प्रति पंजीयन का शुल्क निर्धारित किया गया है। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए पंजीयन अनिवार्य है और किसानों को पंजीयन के समय आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। नई व्यवस्था से किसानों को लंबी कतारों में प्रतीक्षा से मुक्ति मिलेगी।

# पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा पर माल्यार्पण

● विचारों एवं सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प

**इंदौर (नप्र)।** पं.दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के मौके पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मंगलवार सुबह बिलावली जोन उद्यान में स्थापित पं.दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर

जनप्रतिनिधियों सहित कई लोग पहुंचे। यहां उन्होंने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी लोगों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों एवं सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया उनके एकात्म मानववाद के दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व महापौर कृष्ण मुरारी मोघे, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक मधु वर्मा, मालिनी गौड़, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा, निरंजन सिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल सहित कई लोग मौजूद रहे।

# इंदौर में युवक का कान दांतों से काटा

● पीड़ित हाथ में लेकर पहुंचा अस्पताल

**इंदौर (नप्र)।** राउ इलाके में शराब दुकान के बाहर दो पक्षों में विवाद हो गया, जो मारपीट तक पहुंच गया। झगड़े के दौरान एक युवक ने दूसरे का कान दांतों से काट लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राउ पुलिस के अनुसार, झगड़ा शुभम केलवा निवासी शिव सिटी मराठी मोहल्ला और मनोज पुत्र भगवानदास के बीच हुआ। शुभम ने बताया कि वह निजी कार कंपनी में काम करता है और सोमवार को अपने दोस्त अशोक के साथ आईपीएस कॉलेज के पास स्थित शराब दुकान पहुंचा था। वहां एक व्यक्ति शराब दुकान के सामने सो रहा था। शुभम ने उसे हटने के लिए कहा, लेकिन पास ही बैठा मनोज अपशब्द कहने लगा। जब शुभम ने उसे रोकने की कोशिश की, तो विवाद बढ़ गया और मनोज ने शुभम के कान पर दांतों से हमला कर दिया, जिससे उसका कान कटकर अलग हो गया। घायल शुभम को तुरंत एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया।

### मनोज ने भी लगाया मारपीट का आरोप

वहीं, मनोज के बेटे शिवम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि शुभम ने उसके पिता के साथ मारपीट की थी। मनोज ने अपने बयान में बताया कि वह शराब दुकान के पास बैठा था, तभी शुभम ने उसे हटने के लिए कहा। जब उसने इनकार किया, तो शुभम ने शराब की बोतल उसके सिर पर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

मनोज मजदूरी करता है और झगड़े में उसे भी चोटें आईं। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### आरडीएसएस के तहत कार्य हर हाल में समय पर हो

# ग्रीष्म काल से पहले लगेंगे अतिरिक्त ट्रांसफार्मर

**इंदौर (नप्र)।** मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने समीक्षा बैठक की। इस बीच उन्होंने कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में आरडीएसएस के तहत परियोजना से जुड़े कार्य ग्रिड निर्माण, पुराने ग्रिड रिनोवेशन, अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने, केबलीकरण, नई 33 केवी लाइन, 11 केवी लाइन, तारों की क्षमता बढ़ाने इत्यादि के कार्यों की समीक्षा की। अनूप कुमार सिंह ने कहा कि, रिवैम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके कार्य हर हाल में समय पर पूर्ण किए जाने चाहिए। तय समय के बाद संबंधित एजेंसी पर पेनल्टी लगाई जाएगी। इंदौर शहर में इस योजना के तहत अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य जारी है। जहां भी आवश्यकता है, वहां अगले तीन सप्ताह में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगा दिए जाएंगे, ताकि ग्रीष्मकाल प्रारंभ होने से पहले वितरण क्षमता में वृद्धि हो और अतिभारित स्थिति समाप्त हो जाए। उन्होंने खंडवा, इंदौर ग्रामीण, इंदौर शहर, धार, आगर, उज्जैन आदि जिलों से संबंधित आरडीएसएस कार्य एजेंसियों को समय पर कार्य करने के प्रति चेतावनी दी। सिंह ने सभी अधीक्षण यंत्रियों को निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष के समापन तक वे प्रतिदिन आरडीएसएस के कार्यों की समीक्षा करें, एजेंसियों (टीकेसी) के प्रतिनिधियों से नियमित संवाद करें और उनकी कठिनाइयों का समाधान करें, ताकि परियोजना कार्य समय सीमा में पूर्ण हो सके।

**500 उपभोक्ताओं से फोन पर फीडबैक ले रही कंपनी:** मध्यप्रदेश पश्चिम विद्युत वितरण कंपनी बिजली आपूर्ति व अन्य शिकायतों के समय पर निराकरण एवं मॉनिटरिंग के लिए प्रभावी कार्य कर उपभोक्ताओं की हर संभव मदद कर रही है। वॉट्सएप, सोशल मीडिया, ऊर्जस ऐप, कॉल सेंटर 1912 के साथ ही जोन और वितरण केंद्रों के नंबरों पर या इन स्थानों पर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने वाले प्रकरणों में भी तुरंत संज्ञान लिया जा रहा है।

### इंदौर शहर के ग्रिडों की बिजली वितरण क्षमता बढ़ाई गई

शहर के अलग – अलग क्षेत्रों में स्थित 33/11 केवी ग्रिडों की बिजली वितरण क्षमता में बढ़ोतरी की गई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के इंदौर शहर अधीक्षण यंत्री मनोज शर्मा ने बताया कि पालदा ग्रिड के पीटीआर की क्षमता 3.5 एमवीए से बढ़ाकर 5 एमवीए कर दी गई है। इसी तरह स्कीम नंबर 114 स्थित ग्रिड के पीटीआर की क्षमता 5 से 10 एमवीए, एलआईजी ग्रिड की क्षमता 8 से बढ़ाकर 10 एमवीए की गई है। एयरपोर्ट स्थित ग्रिड के पीटीआर की क्षमता भी 5 से बढ़ाकर 10 एमवीए कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही एमपी नगर स्थित ग्रिड, खजराना और संचार नगर स्थित ग्रिड की क्षमता में भी वृद्धि की जाएगी।

# इंदौर में हुए फैशन शो में दिखा प्रतिभाओं का जलवा

## अनुष्का बनीं मिस एमपी फोटोजेनिक

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के पालदा में आयोजित मध्य भारत के सबसे बड़े फैशन और मॉडलिंग इवेंट में एमबीबीएस की छात्रा अनुष्का सिंह तोमर ने मिस एमपी फोटोजेनिक 2025 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में सैकड़ों प्रतिभागियों में से 16 फाइनलिस्ट का चयन किया गया था, जिनमें से अनुष्का ने अपनी खूबसूरती और आत्मविश्वास के दम पर बाकी 15 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। अनुष्का की मां मंजीत कीर्तिराज सिंह मिटावल क्षत्रिय करणी सेना की प्रदेश अध्यक्ष हैं। विजेता बनने के बाद अनुष्का ने बताया कि वह लंबे समय से इस प्रतियोगिता की तैयारी कर रही थीं।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया और मार्गदर्शन किया। मिस मिसेज और मिस्टर इवेंट 2025 के इस आयोजन ने मध्य प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान किया। इस प्रतियोगिता ने साबित किया कि प्रदेश में फैशन और मॉडलिंग के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

# एमपी ऑनलाइन दुकान संचालक ने किया सुसाइड

### दोस्त ने फंदे पर लटकता देखा, जांच में जुटी पुलिस

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के आजाद नगर में एमपी ऑनलाइन दुकान के संचालक ने सुसाइड कर लिया। वह दोपहर बाद घर से बाहर नहीं आया। दोस्त उसके मोबाइल पर कॉल करते रहें। जब वह घर पर पहुंचे तो युवक फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस को मौके से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि नरेंद्र (36) पुत्र मनोहर शर्मा निवासी मयूर नगर का शव सोमवार शाम उनके घर के कमरे में फंदे पर लटका हुआ मिला। सूचना के पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक नरेन्द्र अपने दोस्त का कॉल रिसीव नही कर रहा था। दोस्त घर पहुंचा तो उसे फंदे पर देखा। भाई नितेश के मुताबिक नरेन्द्र जिस बिल्डिंग में रहता है। उसी के नीचे एमपी ऑनलाइन की दुकान संचालित करता है। नितेश ने बताया कि पूरा परिवार मुंदला खुड़ैल के पास रहता है। वह सोमवार को इंदौर आए। इसके बाद नरेंद्र से मिलकर करीब 1 बजे वापस चले गए। इसके बाद नरेन्द्र घर पर ही था। बाद में दोस्तों ने उसकी मौत की सूचना दी।

**बिल्डिंग में रहते है किराएदार:** परिवार के लोगों ने बताया कि मूसाखेड़ी के जिस मकान में नरेंद्र ने सुसाइड किया। वह भी उन्हीं की है।

# यात्री बसों की अवैध पार्किंग पर होगी कार्रवाई

### जलजमाव वाले क्षेत्र अभी से चिह्नित होंगे, सफाई पर भी सख्ती की जरूरत

**इंदौर (नप्र)।** शहर में ट्रैफिक जाम का एक बड़ा कारण यात्री बसों की अवैध पार्किंग भी है। रिंग रोड सहित चौराहों, अलग-अलग सड़कों पर अवैध तरीके से खड़ी यात्री बसों पर प्रशासन अभियान चलाकर कार्रवाई करेगा। अभियान लगातार चलेगा। यह निर्देश कलेक्टर आशीष सिंह ने टीएल बैठक में दिए। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि स्वच्छता में नंबर वन बनने के लिए इंदौर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसे देखते हुए सभी सरकारी कार्यालयों और परिसरों में भी साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की

जरूरत है। सभी कार्यालयों में साफ-सफाई रखी जाए। सभी शौचालय साफ रहें। यह देखें कि कचरा खुले में नहीं जले। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों से कहा कि वे भी स्वच्छता पर ध्यान दें। जिले के अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण को विशेष प्राथमिकता दें। सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में रैंकिंग सुधार के प्रयास करें।

**जलजमाव को लेकर बारिश से पहले सचेत होना जरूरी:** यह जरूरी है कि बारिश के पूर्व ही सजग हो जाएं और सभी जरूरी काम अभी से शुरू कर बारिश के पहले पूरे कर लें, जिससे की बारिश में कहीं भी जलजमाव की स्थिति नहीं बने। कलेक्टर ने सभी एसडीएम से कहा कि वे जलजमाव होने वाले स्थानों को चिह्नित करें।

# सियागंज व्यापारी एसोसिएशन में नई नियुक्तियां

### नए अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल और कार्यवाहक अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल का व्यापारियों ने किया स्वागत

**इंदौर (नप्र)।** सियागंज व्यापारी एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का मंगलवार को सियागंज किराना बाजार में स्वागत किया गया। 9 फरवरी को भंडारी रिसॉर्ट में हुए चुनाव में रमेश खंडेलवाल अध्यक्ष और धीरज खंडेलवाल कार्यवाहक अध्यक्ष चुने गए। जवाहर मार्ग, सियागंज किराना गली, महावीर चौक और पटेल ब्रिज क्षेत्र के व्यापारियों ने नई कार्यकारिणी का गर्मजोशी से स्वागत किया। नई टीम में उपाध्यक्ष किशोर वरलानी, नईम पालवाला, सुजीत सावलानी और वासुदेव चेलानी शामिल हैं। महामंत्री प्रितपाल टोंगिया, कोषाध्यक्ष अशोक पिंकी सहकोषाध्यक्ष प्रदीप शेट्टी, संगठन मंत्री कमल छत्री, संगठन मंत्री फरहान इब्राहिम सहित अन्य पदाधिकारी जिसमें नवीन बिनवानी, पुष्पेंद्र खंडेलवाल दिलीप चंदवानी साथ में थे। व्यापारियों ने सबका स्वागत गर्मजोशी से किया। अध्यक्ष और कार्यवाहक अध्यक्ष ने अपने संबोधन में आगामी तीन वर्षों में व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। विशेष रूप से सियागंज के व्यापारियों के भुगतान की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। श्रमिक संगठन आगाज ग्रुप ने भी भरत के नेतृत्व में नई टीम का

स्वागत किया। कार्यक्रम में दीपक खंडेलवाल, मनीष मामा, प्रमोद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। 9 फरवरी को भंडारी रिसोर्ट में संपन्न हुए चुनाव में नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल, कार्यवाहक अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल एवं पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भव्य स्वागत सियागंज किराना बाजार में किया गया। जवाहर मार्ग सियागंज किराना गली महावीर चौक एवं पटेल ब्रिज क्षेत्र के सभी व्यापारियों ने अपने अध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर कारोबारियों ने कंधे से कंधे मिलाकर सियागंज को नई ऊंचाई पर ले जाने एवं व्यापार बढ़ाने पर जोर दिया। पदाधिकारी में उपाध्यक्ष किशोर वरलानी, नईम पालवाला, सुजीत सावलानी, वासुदेव चेलानी, महामंत्री प्रितपाल टोंगिया, सहसचिव प्रदीप मिश्रा, मुन्ना दिलीप तोतला, कोषाध्यक्ष अशोक पिंकी शाह, कोषाध्यक्ष प्रदीप शेट्टी गुड्डू, संगठन मंत्री कमल छत्री, सह संगठन मंत्री फरहान इब्राहिम, को-ऑर्डिनेटर मनोज जैन, कार्यकारिणी सदस्य नवीन बिनवानी, दिलीप चंदवानी अध्यक्ष के साथ सैकड़ों व्यापारियों की उपस्थिति में पूरे बाजार में व्यापारियों से मिले एवं आभार प्रकट किया। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष ने व्यापारियों को यह विश्वास दिलाया कि आने वाले 3 साल व्यापारियों की हर समस्याओं का समाधान निकलने का संभव प्रयास किया जाएगा। सियागंज में व्यापारियों का पेमेंट किस तरह सुरक्षित रहे उसे दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जाएगा। श्रमिक संगठन आगाज ग्रुप ने भी भरत के नेतृत्व में अध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों में कार्यवाहक अध्यक्ष धीरज खंडेलवाल के व्यापारिक मित्र दीपक खंडेलवाल, मनीष मामा, प्रमोद गुप्ता एवं बड़ी संख्या में आए शहर के व्यापारियों ने स्वागत किया।

# शादी के नाम पर ट्रांसपोर्टर महिला से ठगी

### लिव-इन में रहकर हड़पे 30 लाख; शिकायत पर युवक सहित माता-पिता पर भी केस दर्ज

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर में शादी के नाम पर एक ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने एक ट्रांसपोर्टर महिला के साथ धोखाधड़ी की है। इस मामले में पुलिस ने युवक, उसके पिता और मां को आरोपी बनाया है और जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार, 34 वर्षीय पीड़िता, जो तलावली चांदा की निवासी हैं, ने सागर गोगडे (विजयनगर स्कीम नंबर 114) और उसके माता-पिता बसंत और सावित्री के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता पेशे से ट्रांसपोर्टर हैं और उनकी मुलाकात सागर से एक शादी समारोह में हुई थी, जहां दोनों ने एक-दूसरे से नंबर शेयर किए थे। सागर ने खुद को बीमा एजेंट बताते हुए कहा कि वह बड़े पैमाने पर काम करता है और उसकी कमाई लाखों में है। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत बढ़ी, और सागर ने अपनी मां और पिता से पीड़िता को मिलवाया। हालांकि, जब पीड़िता ने शादी से इनकार किया, तो सागर ने अपने पुश्तैनी संपत्ति और नशे से बचने की बात कर उसे शादी के लिए राजी किया। लेकिन पीड़िता को जल्द ही पता चला कि सागर पहले से शादीशुदा है और अपनी पत्नी से अलग हो चुका है। इस पर पीड़िता ने सागर से संबंध तोड़ दिए और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। हालांकि, सागर के दोस्तों ने उसे समझाया कि सागर लाखों रुपये कमाता है और उसे खुश रखेगा, तो पीड़िता ने फिर से शादी के लिए हामी भर दी। इसके बाद सागर ने पीड़िता को अपने घर बुलाया और दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। सागर ने पीड़िता से पैसे उधार लिए और ऐशो आराम की चीजें खरीदीं। कुछ दिनों बाद, जब पीड़िता ने शादी के बारे में पूछा, तो मई 2022 में दोनों ने खजराना मंदिर में दोस्तों के सामने शादी की। शादी के बाद सागर ने शराब और ड्रग्स की आदत डाल ली और इसके लिए पैसे की मांग पीड़िता से की।

संपादकीय

## अब पंजाब बचाने की चुनौती!

दिल्ली प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी सरकार गंवाने के बाद आम आदमी पार्टी के सामने पंजाब में अपनी सरकार बचाने की बड़ी चुनौती है। क्योंकि दिल्ली में हार का सीधा असर पंजाब पर पड़ने वाला है। इसी को ध्यान में रखते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आनन-फानन में दिल्ली के कपूरथला हाउस में पंजाब के विधायकों की बैठक बुलाई। औपचारिक रूप से यही कहा गया कि यह बैठक पंजाब के आप विधायकों को धन्यवाद देने के लिए बुलाई गई थी। लेकिन बैठक महज आधे घंटे की थी। यह काम चंडीगढ़ में भी हो सकता था। बैठक के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। हम पंजाब को विकास का मॉडल स्टेट बनाएंगे। यह बात अलग है कि केजरीवाल और उनकी सरकार भी पहले दिल्ली के बारे में यही कहती थी, लेकिन चुनाव उसका क्या हश्र हुआ, यह सभी ने देखा। दरअसल दिल्ली में कांग्रेस भले ही कुछ खास न कर पाई हो, लेकिन पंजाब में वह मुख्य विपक्षी दल है और इसी के चलते वहां कांग्रेस सांसद मान सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस सांसद प्रताप सिंह बाजवा ने यह कहकर राजनीतिक सनसनी फैला दी कि आप के 30 सांसद उनके संपर्क में हैं। इस दावे में कितनी सच्चाई है, कहना मुश्किल है, लेकिन इसने आप पर मनोवैज्ञानिक दबाव जरूर बना दिया है। हालांकि पंजाब में मान सरकार मजबूत स्थिति में है। उसके पास 117 में से 92 विधायक हैं, जबकि विपक्षी कांग्रेस के पास मात्र 18 ही हैं। अगर 30 विधायक टूट जाते हैं तो यह संख्या 58 हो जाती है, जो सरकार बनाने के लिए जरूरी है। वैसे मान ने बाजवा के दावे को यह कहकर खारिज किया कि वो तो पौने तीन साल से ऐसी बातें कह रहे हैं? दूसरे, मान सरकार का तीन साल का काम काज भी बहुत अच्छा रहा हो, ऐसा नहीं है, वरना लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को इतनी सीटें नहीं मिलती। लेकिन बाजवा से भी ज्यादा गंभीर आरोप कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का है। रंधावा ने कहा कि दिल्ली में सत्ता से बाहर होने के बाद अरविंद केजरीवाल अब पंजाब के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, इसीलिए दिल्ली में सभी विधायकों को बुलाया गया। इसका दूसरा अर्थ यह है कि मान को हटाया जा रहा है। हालांकि फिलहाल यह संभव नहीं लगता, क्योंकि आप के पास मुख्यमंत्री पद के लिए मान से बेहतर कोई चेहरा नहीं है। अगर केजरीवाल ने पंजाब का सीएम बनने की कोशिश की तो यह पार्टी के लिए बहुत ही घातक होगा, क्योंकि पंजाब की राजनीति सिख केन्द्रित है। वहां के लोग किसी गैर सिख और गैर पंजाबी को कतई स्वीकार नहीं करेंगे। हो सकता है रंधावा ने यह बात केवल आप में खलबली पैदा करने के लिए कही हो, लेकिन उसकी मार तो दूर तक गई है। पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच यह टकराव इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राष्ट्रीय स्तर पर बने इंडिया गठबंधन को तिलांजलि दे दी गई है। अगर पंजाब में सरकार बनाने की तनिक भी संभावना बनी तो कांग्रेस मौका शायद ही छोड़े। राहुल गांधी इसकी इजाजत देंगे, इसकी संभावना कम है, लेकिन कांग्रेस और आप में तल्खी इससे जरूर बढ़ेगी। वैसे कहा तो यह भी जा रहा है कि केजरीवाल विस चुनाव हारने के बाद अब पंजाब कोटे से राज्य सभा में जा सकते हैं। इतना तय है कि आप की दृष्टि पंजाब का हर कदम महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल केजरीवाल के सामने बड़ी चुनौती पंजाब में पार्टी की सरकार बचाने और पंजाब के साथ-साथ दिल्ली में भी विधायकों को एक रखने की है।

नजरिया

**अमित बैजनाथ गर्ग**

लेखक पत्रकार हैं।

# भाजपा को बनाए रखना होगा भरोसा

करीब 27 सालों के बाद भाजपा ने दिल्ली में सरकार में वापसी की है। अगर भाजपा लंबे समय तक दिल्ली पर शासन करना चाहती है, तो उसे अपनी पिछली गलतियों को दोहराने से बचना होगा। सभी को साथ लेकर चलने से ही दिल्ली का विकास संभव है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की विदाई हो गई और भाजपा को सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत मिल गया। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में भाजपा को अपने सहयोगी दलों के साथ 48 सीटें मिली हैं, जबकि आम आदमी पार्टी को महज 22 सीटें मिल पाई हैं। 12 साल सरकार में रहने के बाद आम आदमी पार्टी सत्ता से बेदखल कर दी गई है। कांग्रेस का इस बार भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि अन्य को भी कोई सीट नहीं मिली है। करीब 27 सालों के बाद भाजपा ने सरकार में वापसी की है। खास बात यह भी है कि आप पार्टी के मुख्यमंत्री पद के दावेदार अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हार गए हैं। उन्हें भाजपा के प्रवेश वर्मा ने हराया। प्रवेश ने केजरीवाल को हराने का दावा किया भी था, जो उन्होंने अपनी अथक मेहनत के दम पर पूरा कर दिखाया।

आप के केजरीवाल सहित कई दिग्गज चुनाव हार गए। इनमें मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और सौरभ भारद्वाज का नाम भी शामिल है। आप की आतिशी जरूर चुनाव जीत गई हैं। उन्होंने भाजपा के रमेश बिधूड़ी को चुनाव में पटखनी दी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि आम आदमी पार्टी को इस तरह के चुनावी नतीजों की उम्मीद नहीं थी। हालांकि नतीजों के इसी तरह आने के पूर्वानुमान लगाए जा रहे थे। अधिकतर एग्जिट पोल भी भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बना रहे थे। आम आदमी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने के पीछे कई कारण रहे। सबसे पहला कारण तो केजरीवाल और पार्टी का अति उत्साह रहा। केजरीवाल ने तो यहां तक कह दिया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें इस जन्म में तो नहीं हरा सकते। हालांकि मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और मोदी ने उन्हें इसी चुनाव में हरा दिया।

यमुना नदी की सफाई नहीं होना, भ्रष्टाचार का मुद्दा, शराब घोटाला, सीवरेज की समस्या, पीने के पानी की समस्या, सड़कों की समस्या, उपराज्यपाल से अनबन, मोदी को सीधा चैलेंज देना तमाम ऐसे मुद्दे रहे, जो आप की हार का कारण बने। वहीं भाजपा ने पीएम मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा। भाजपा ने गुटबाजी से बचने के लिए सीएम पद का उम्मीदवार भी घोषित नहीं किया। पीएम मोदी ने दिल्ली को विकास की गारंटी देते हुए सेवा करने का एक मौका मांगा, जिसे दिल्लीवासियों ने इस बार स्वीकार कर लिया। भाजपा को 27 साल बाद दिल्ली में बहुमत मिला है। यह पीएम मोदी के चमत्कारिक राजनीतिक कौशल का कमाल है, जो इस बात का इशारा भी करता है कि उनका जादू अभी खत्म नहीं हुआ है। जनता अभी भी उनकी बातों को गंभीरता से लेती है और उनके फैसलों को सिर माथे पर लगाती है।

अब बात करते हैं कांग्रेस की। कांग्रेस इस बार भी दिल्ली में अपना खाता नहीं खोल पाई। आप को समर्थन देने की जगह कांग्रेस ने अपने दम पर चुनाव लड़ा और सभी 70 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे। खास बात यह है कि उसके 67 उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। उसके वोट शेयर में भी कोई खास इजाफा नहीं हुआ। नई दिल्ली सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया। हालांकि संदीप भी चुनाव हार गए। इतना जरूर कहा जा सकता है कि संदीप को जो वोट मिले, वे केजरीवाल की हार की वजह बने। इस तरह संदीप ने अपनी मां के अपमान का बदला ले लिया, जो केजरीवाल ने कई बार सार्वजनिक रूप से किया था। उन्होंने शीला दीक्षित को भ्रष्टाचारी बताते हुए जेल तक भेजने की बात कही थी, लेकिन वे कभी ऐसा कर नहीं पाए। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि केजरीवाल जिन सबूतों की बात करते थे, असल में वे उनके पास कभी थे ही नहीं।

आम आदमी पार्टी की हार और भाजपा की जीत में कई सबक छिपे हुए हैं। दिल्ली के मतदाताओं ने विकास की ओर देखते हुए भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्हें इस बात का अहसास हो चुका था कि आम आदमी पार्टी दिल्ली का विकास नहीं कर सकती। 12 सालों तक वह सिर्फ फ्री बिजली और पानी के नाम पर राजनीति करती रही। वह विकास की बात करती थी, लेकिन कभी कर नहीं पाई। वहीं पीएम मोदी ने अपनी सभाओं और भाषणों में दिल्ली के विकास की बात की। हालांकि योजनाओं की रेवड़ी से मोदी और भाजपा भी नहीं बच पाए। 2020 के विधानसभा चुनाव तक मोदी और भाजपा फ्री की घोषणाएं करने से बचते रहे, लेकिन इस बार के चुनाव में मोदी और भाजपा ने भी जमकर रेवड़ियां बांटने की घोषणा की। हालांकि भाजपा का यह भी कहना रहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार डबल इंजन की सरकार होगी और दिल्लीवासियों को डबल विकास देखने का मौका मिलेगा। इस बात पर दिल्ली के मतदाताओं ने भरोसा करते हुए मुहर भी लगाई।

अब बात करते हैं आरोपों और प्रत्यारोपों की। आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे अरविंद केजरीवाल थे, जबकि भाजपा ने किसी भी प्रत्याशी को सीएम का चेहरा नहीं बनाया। केजरीवाल हर बार भाजपा और मोदी से यह पूछते रहे कि भाजपा का दूल्हा कौन है, लेकिन भाजपा की बारात बिना दूल्हे के ही चली। केजरीवाल ने झूठ की राजनीति करने की कोशिश की। यमुना में जहर सहित कई झूठे आरोप उन्होंने लगाए। पूर्वांचलियों का भी उन्होंने अपमान किया। यह झूठ की राजनीति उन्हें और आम आदमी पार्टी को भारी पड़ गई और उन्हें हार के रूप में इसका खामियाजा उठाना पड़ा। वहीं मोदी और भाजपा बैलेंस्ड नजर आए। वे झूठे आरोपों से बचे और विकास पर अपना फोकस किया। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित तमाम स्टार प्रचारकों का लाभ भाजपा को मिला। इनके प्रचार ने दिल्ली में रहने वाले प्रदेश के बाहर के मतदाताओं को भाजपा की तरफ मोड़ा। बंटोगे तो कटोगे के नारे ने हिंदुओं को एकजुट करने का काम दिल्ली में भी किया।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भाजपा अपनी रणनीति में सफल हुई और आम आदमी पार्टी को अपने कर्मों का फल हार के रूप में भुगतना पड़ा। भाजपा के लिए अब बड़ा सवाल दिल्लीवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरना है। सही टिकट वितरण और कार्यकर्ताओं के सम्मान ने उन्हें दिल्ली के तख्त तक पहुंचा दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस चुनाव में महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव की तरह भाजपा से फीडबैक लेकर जमीनी स्तर पर काम किया, जिसका फायदा भी पूरी तरह से भाजपा को मिला। अब भाजपा को चाहिए कि वह कार्यकर्ताओं का सम्मान करे और उनकी सुनवाई को प्राथमिकता दे। मुख्यमंत्री ऐसे व्यक्ति को बनाए, जो सरकार और संगठन को साथ लेकर चल सके। सरकार गठन के समय कार्यकर्ताओं की सलाह को तवज्जो दी जाए। अगर भाजपा लंबे समय तक दिल्ली पर शासन करना चाहती है, तो उसे अपनी पिछली गलतियों को दोहराने से बचना होगा। सभी को साथ लेकर चलने से ही दिल्ली का विकास संभव है और भाजपा को दिल्लीवासियों का यह बहुप्रतीक्षित विकास करना ही होगा।

कुम्भ में कल्पवास

**प्रमोद दीक्षित मलय**

लेखक शिक्षक एवं स्तम्भकार हैं।

# आध्यात्मिक चेतना के उत्कर्ष का साधना पथ

तीर्थराज प्रयागराज में सतत प्रवाहित सदानीरा सुरसरि मां गंगा के अंचल में चमकती सिलेटी रेती में प्रत्येक वर्ष माघ महीने में पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने की प्राचीन परम्परा अद्यावधि गतिमान है। कल्पवास बारह वर्षों की एक अविराम सात्विक साधना है जो एक महाकुंभ से आरंभ होकर दूसरे महाकुंभ में पूर्ण होती है। कल्पवास के पूर्ण होने पर उद्यापन अंतर्गत श्रीमद्भागवत पुराण कथा श्रवण, तीर्थ पुरोहित को शैय्या दान एवं भंडारा करने का लोक विधान है। वास्तव में कल्पवास व्यक्ति द्वारा आत्म साक्षात्कार कर आध्यात्मिक मनीषा के उत्कर्ष का साधना पथ है, सात्विक वृत्तियों के जागरण का काल है। व्यष्टि से समष्टि की कल्याण-कामना की विशेष अनुभूति है, प्रतीति है। कल्पवास व्यक्ति की सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना के परिष्कार की अंतर्यात्रा है, दैहिक संस्कार-शोधन एवं परिमार्जन की हितकारिणी विधा है। कल्पवास पुण्यार्जन की पुनीत कथा है तो संयमित जीवन जीने की कमनीय कला भी। सहकार एवं समन्वय दृष्टि का उन्मेष है, नवल सर्जना को आतुर-उत्कंठित अनिर्वचनीय आग है तो जड़-चेतन के प्रति आनंद, अभिनंदन एवं आत्मीयता का मधुर राग भी। कह सकते हैं, कल्पवास सुप्त मानव मन में दैवत्य जाग्रत कर साहचर्य एवं सायुज्यता का मृदुल सुवासित आगार है, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता-आभार है।

पाठकों के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि कल्पवास क्या है, कल्पवास करने के नियम क्या है, इस एक मास की अवधि में दिनचर्या क्या होती है? मैं इस समय महाकुंभ में कल्पवास कर रहा हूं। प्रस्तुत लेख में कल्पवास पर अनुभवजन्य विचार रखने का प्रयत्न करता हूं। कल्पवास का परम लक्ष्य मोक्ष की कामना है। कल्पवास करने से एक कल्प अर्थात् ब्रह्मा के एक दिन के बराबर तप एवं दान-दक्षिणा का पुण्यफल प्राप्त होता है। हिंदू काल गणना में निमेष लघुतम तथा कल्प महत्तम इकाई है। सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग को मिलाकर चतुर्युग कहते हैं। 71 चतुर्युग से एक मन्वंतर बनता है, जिसका स्वामी मनु कहलाता है। 14 मन्वंतरों के योग से एक कल्प का समय निर्धारण होता है जो ब्रह्मा का एक दिन कहलाता है। वर्तमान में 7वां मन्वंतर वैवस्वत मनु चल रहा है। तो एक महीने कल्पवास करने से 14 मन्वंतरों में किए गये दान, जप, तप आदि के बराबर फल मिलता है और सभी पापों का क्षय हो जाता है।

कल्पवास करने और पुण्य फल प्राप्ति का यह शास्त्रीय पक्ष था। मुझे लगता है कि व्यक्ति के समाज जीवन के विविध घटकों को प्रभावित करने वाले पक्षों पर भी कल्पवास के आलोक में विवेचन समीचीन होगा। कल्पवास जहां व्यक्ति की आध्यात्मिक चेतना हेतु अंतर्मन का शोधन करता है वहीं आयुर्वेद की दृष्टि से विचार करें तो कल्पवास शरीर शोधन का भी अवसर बनता है। आयुर्वेद में देह को नवजीवन देने की प्रक्रिया को कल्प कहते हैं यथा कायाकल्प। इसके अंतर्गत रोगी को एक मास तक केवल दुग्ध, मट्ठा या शोधित पारद का उचित मात्रा में औषधि अनुपान के साथ सेवन कराया जाता है। पहले पन्द्रह दिनों तक शनैः-शनैः मात्रा बढ़ाई जाती है, तत्पश्चात क्रमशः कम की जाती है। एक महीने बाद शरीर नवल तेज, ओज, शक्ति एवं ऊर्जा ग्रहण कर लेता है। कायाकल्प व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि कर तंत्रिका तंत्र को नवजीवन देता है। कोशिकाओं के क्षय को विराम दे अंग-उपांगों की जीवनी शक्ति बढ़ाता है। मन-मस्तिष्क में शांति, धैर्य एवं निर्मलता का वास होता है। कल्पवास की अवधि में कल्पवासी निराहार रह केवल गंगाजल का पान करते हैं तो कुछ केवल दुग्धाहार। यह शरीर की आंतरिक शुद्धि में सहायक होता है।

कल्पवास कुम्भ या माघ मेले के दौरान ही होता है तो प्रत्येक कल्पवासी भारत की सामाजिक व्यवस्था एवं सांस्कृतिक समृद्धि के वैभव के विराट स्वरूप का दर्शन सहज ही कर लेता है। क्योंकि कुम्भ में सम्पूर्ण भारत वर्ष से विभिन्न समुदाय, पंथ, जाति, वर्ग, गिरि-कानन‌वासी, बंजारे, किसान-मजदूर, विद्यार्थी-शिक्षक, नेता-अभिनेता, संत-महंत, महामंडलेश्वर-मठाधीश, नागा-सन्न्यासी, विरक्त-वैरागी-किन्नर, वैष्णव, शाक्त, अघोरी-अखाड़े आदि शामिल होते हैं। सभी की अपनी एक विशिष्ट पहचान है, वेशभूषा है, धर्म-पंथचर्या है। पर कुम्भ में आकर सभी एक पुष्पमाला में गुंथ जाते हैं। एक घाट पर ही धनी-निर्धन, ब्राह्मण-दलित, संन्यासी-गृहस्थ मिलकर मानवजनित भेदभावों से मुक्त होकर स्नान कर रहे हैं, मां गंगा का पूजन-अर्चन कर रहे हैं। यहां सब एक हैं, दूसरा कोई है ही नहीं, ऐसे परम भाव के साथ आचरण-व्यवहार करते हुए परिवार एवं विश्व की मंगल कामना कर रहे हैं। विदेशी भक्त भी सहभागिता करते हैं। मेले में विभिन्न जातीय समूहों एवं वनवासी बंधु-भगिनी अपनी कला एवं संस्कृति का विभिन्न मंचों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। दिन-रात चल रहे भंडारों में तीर्थयात्री पूड़ी-सब्जी, खिचड़ी, हलुवा, लड्डू, बूंदी, कचौड़ी, दाल-भात, कढ़ी-राजमा, छोले, बाटी-चोखा, गुलाबजामुन, बालूशाही से तृप्त हो रहे हैं। चाय-टोस्ट से थकान मिटा रहे हैं। घर-गृहस्थी की दैनंदिन उपयोग की वस्तुओं से लेकर शोभाकारी सामान विक्रय की दूकानें तीर्थयात्रियों का मन मोह रही हैं। संतों के पांडालों में कथा-भागवत चल रहा है। तो एक कल्पवासी ये सब देखते-सुनते स्वयं को समृद्ध करते हुए धन्य महसूस करता है।

एक कल्पवासी की दिनचर्या साधना एवं तपश्चर्या की होती है। ब्रह्ममुहूर्त में जागरण, दिन में तीन बार गंगा स्नान, केवल एक बार भोजन, सायंकल फलाहार करना, अपने आवासीय तम्बू के द्वार पर जौ बोना तथा तुलसी माता का नियमित पूजन करना। जप, श्रीमद्भगवद्गीता एवं श्रीरामचरितमानस का नित्य पाठ, भूमि पर शयन। कल्पवासी का आरम्भ और अंत में क्षौर-कर्म आवश्यक है। अपराह्न में रुचि अनुसार संतों का दर्शन एवं कथा श्रवण करना और संध्याकाल में दीप-आरती कर भगवन्नाम स्मरण करते हुए शयन करना। इस अवधि में सरसों का तेल, अरहर की दाल, लहसुन-प्याज, मूली-गाजर, बैंगन का उपयोग निषेध है। माघ पूर्णिमा के दिन जौ से उपजे जवारे लेकर गंगा घाट पर सिराना, 365 बाती बना तिल के तेल में भिंगो एक साथ दीपक तैयार कर आरती-पूजन के साथ मां गंगा से मनोकामना पूर्ति हेतु प्रार्थना और मास पर्यंत हुई त्रुटियों के लिए क्षमा याचना की जाती है। घर जाने से पहले अपने तम्बू में एक स्थान लीपकर घी का दीप जला शीश नवा अगले वर्ष पुनः आने की भावना के साथ अपने तीर्थ पुरोहित पंडा जी को यथेष्ट धन-धान्य अर्पित कर प्रस्थान करते हैं। निश्चित रूप से कल्पवासी एक महीने पश्चात् स्वयं में आशातीत बदलाव महसूस करता है। कल्पवास की यह परम्परा सामाजिक सद्भाव एवं सौहार्द के सौंदर्य में वृद्धि करती रहेगी, यही मंगल कामना है।

# संपादक को नेकी की सलाह देने वाले

व्यंग्य

**सुरेश सौरभ**

लेखक व्यंग्यकार हैं।

संपादक जी ऐसे हताश-उदास मुंह लटकाए बैठे थे, जैसे जुएं में बड़ी रकम हार कर कोई जुआरी क्षुब्ध सा बेकार बैठा हो। उनसे मिलने आए, चंदू लाल जी उन्हें गौर से देखकर बोले-''क्या बात है सर! आज आप अपना पोथी-पत्रा किनारे किए बड़े शान्त भाव से बैठे हैं। क्या हुआ, बड़े उदास लग रहे हैं।....;

''दरअसल बात ही कुछ ऐसी है, अब तुम्हें क्या बताऊँ?''

''अरे सर जी! बताओ तो सही वो कहते हैं न, गम बांटने से यानि बताने से कम होते हैं। दूर होते हैं।''

''किसी से बताओगे तो नहीं।''

''अपनी जान कसम, भगवान कसम, अरे! सर जी कैसी बात कर दी आप ने, मुझ पर भरोसा नहीं, कमाल है?'' चंदू लाल ने मुंह फुला लिया।

''भाई गुस्सा न हो? बात ही बड़ी उलझन वाली है भाई। पत्रिका के दीवाली विशेषांक की तैयारी कर रहा था। एक कविता आयी है छपने?''

''अरे! तो इसमें क्या चिंता की बात है?'' चंदू मुंह बनाते हुए बोले।

''चिंता की नहीं चिंतन की बात यह है, जो कविता आई है, वह एक कविता संग्रह में 15 साल पहले छपी थी। पुस्तक मेरी रैक में कहीं पड़ी होगी, कवि का नाम मुझे याद है। अब उसी की बेटी ने उसी पुस्तक से एक कविता कॉपी करके अपने नाम से हमें भेज दी है। क्या करूं कुछ समझ में नहीं आ रहा?''

''अरे! इसमें क्या ? तो न छापे बस्स.. काहे इतना हैरान-परेशान हैं?''

''परेशान होने वाली ही बात है, दरअसल कविता भेजने वाली लड़की एक सरकारी नौकरी में है और पत्रिका के लिए, दस हजार मेरे बार कोड पर भेज कर मेरी पत्रिका की संरक्षक सदस्य भी बन चुकी है। अब क्या करें, बड़ी ऊहापोह में फंसा हूँ। ऐसा लग रहा, आसमान से गिरा खजूर में फंसा हूँ। लटका हूँ, चमगादड़ सा उल्टा।''

''उसके बाप कोई फेमस कवि थे।''

''नहीं।''

''कोई कोर्स में लगे कवि थे।''

''नहीं?''

''कोई मिशनरी कवि थे।''

''नहीं''

''अरे! तब काहे टेंशन लेते हैं आप। बाप की सम्पत्ति पर पुत्र-पुत्रियों का एकाधिकार होता है।''

''लेकिन कोई जान गया तो ?''

'इसलिए धर्मात्मा संपादक पत्रिका का पहला पेज खोलने के बाद लिखा देते हैं, पत्रिका में प्रकाशित, लेख, कहानी कविता आदि इत्यादि मैटर पर संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सारे वाद-विवाद जहाँ से पत्रिका छपी है, वहीं से शान्त किए जाएंगे। कॉपी की गई रचना पर आपत्ति सिर्फ रचनाकार या उसके घर वाले ही करते हैं, यहां रचनाकार जीवित नहीं, उसके चाहने वालों का कोई अता-पता नहीं, अब जब यहाँ घरवाले ही अपने बाप-दादों का ताज अपने सिर पर रखे हुए, नाचते हुए, उसे अपना ताज बता रहें हैं तो किसे जरूरत पड़ी है, दूसरे के घर-आंगन में कंकरी फेंकने की.... आप भी नये जमाने के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सीखें, वर्ना पत्रिका के और आप के खाते के बार कोड पड़े-पड़े सड़ जाएंगे। कोई पुरसाहाल न मिलेगा आप की लघुझ पत्रिका का?''

''पर.....''

''अरे! पर-वर भूल जाओ सर, आपको पत्रिका छापनी है या नहीं, छापनी है, यश-कीर्ति की गाड़ी सड़क पर फुल स्पीड में दौड़ानी है या नहीं? अगर आप का जवाब नहीं है, तो आप उन मोहतरमा के, दस हजार वापस करके उन्हें दडवंत् प्रणाम कर लें। काम खत्म...फिर बिना नवरत्न तेल लगाए सारी टेंशन उड़न छू हो जाएगी आप की....यहां अपना लिखा लोग याद नहीं रख पाते हैं, ऐसे में कम चर्चित लोकल कवियों के बरसों पुराने काव्य संग्रह की कविताएं लोग ज्यादा याद रखेंगे। ...बात करते हैं आप भी।''

''तब क्या करें।''

''अरे! वही जो वक्त कह रहा है, जो बाजार कह रहा है।''

''बाजार क्या कह रहा है?''

''आप भी कभी-कभी मुझे संपादक नहीं नादान बालक से लगने लगते हैं।

अरे! बाजार आप से कह रहा है कागज, छपाई, प्रकाशन और पार्सल के दाम खर्च करोगे या नहीं, पत्रिका चलानी है या नहीं?... बाकी आप जो ठीक समझे, अच्छा अब मैं चलता हूँ, एक ज़रूरी काम से कहीं जाना है मुझे।''

संपादक जी अपनी होंठो पर जीभ फिराकर खुश मिजाजी से मुस्कुराए फिर बोले-'ठहर जाओ चाय पीकर जाना भाई!, फौरन बैठक से अंदर जाकर पत्नी को चाय-पकौड़े का आर्डर दे आए, मित्र चंदूलाल यथावत् बैठे रहें। वापस आकर फिर संपादक जी अपनी टेबिल पर उल्टी-पुल्टी पड़ी कागजों की फाइलों को संभालते हुए बोले-'तुम्हारे जैसे पत्रिका के अगर सलाहकार और परामर्शदाता हो तो पत्रिका कभी न बंद होगी, फिर चाहे जितने आर्थिक संकटों के जिंद, शैतान मेरा दरवाजा खटखटाते रहें, पर तुम्हारी सलाहियतें, उन्हें हमेशा परास्त करती रहेंगी।''

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

**संजीव ठाकुर**

लेखक रायपुर निवासी स्तंभकार हैं।

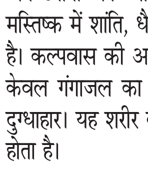

# अशिक्षा के नेपथ्य में अंधविश्वास की परतें

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त या अनुयाई हो गया है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90 प्रतिशत शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैद्य यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है। यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है।

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता है। उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है। शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिए। बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े-बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चैनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

प्रयागराज महाकुंभ

हिमालय सिद्ध अक्षर

(योगाचार्य एवं आध्यात्मिक गुरु)

# आध्यात्मिक शक्ति और मोक्ष का भव्य संगम

**इन दिनों देशभर में महाकुंभ का प्रभाव है। 12 पूर्ण कुंभ के 144 सालों बाद के इस आयोजन का समय खगोलीय गणनाओं पर निर्भर होता है। इसमें बृहस्पति, सूर्य और चंद्रमा की विशेष स्थितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन ग्रहों की खास अवस्थाएं एक ऊर्जावान वातावरण बनाती हैं, जिससे आध्यात्मिक साधनाएँ और ईश्वरीय जुड़ाव कई गुना बढ़ जाते हैं। महाकुंभ के दौरान इन ग्रहों की ऊर्जा गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों में प्रवाहित होकर उन्हें उच्च ऊर्जा से भर देती हैं। ये नदियाँ अध्यात्म जागरण और कर्मों के शुद्धिकरण का माध्यम बन जाती हैं।**

महाकुंभ, धरती पर होने वाला सबसे शक्तिशाली और आध्यात्मिक रूप से ऊर्जा से परिपूर्ण आयोजन है, जो हर 144 साल में एक बार 12 पूर्ण कुम्भों के पूरे होने के बाद होता है। यह दिव्य आयोजन चार पवित्र स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में संपन्न होता है। महाकुंभ न केवल एक त्योहार है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक शक्ति का स्थान है, जहां पृथ्वी और ब्रह्मांड की शक्तियाँ एक साथ आती हैं। यह आत्म-परिवर्तन, शुद्धिकरण और कर्मों के चक्र से मुक्ति पाने का एक अनमोल अवसर प्रदान करता है। महाकुंभ के आयोजन का समय खगोलीय गणनाओं पर निर्भर होता है, जिसमें बृहस्पति, सूर्य और चंद्रमा की विशेष स्थितियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन ग्रहों की खास अवस्थाएँ एक ऊर्जावान वातावरण बनाती हैं, जिससे आध्यात्मिक साधनाएँ और ईश्वरीय जुड़ाव कई गुना बढ़ जाते हैं। कहा जाता है कि महाकुंभ के दौरान इन ग्रहों की ऊर्जा गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों में प्रवाहित होकर उन्हें उच्च ऊर्जा से भर देती हैं। ये नदियाँ अध्यात्म जागरण और कर्मों के शुद्धिकरण का माध्यम बन जाती हैं।

प्राचीन काल से ही कुछ स्थान विशेष आध्यात्मिक और भौतिक महत्व रखते है। जैसे कि पद्मनाभस्वामी मंदिर अपनी अपार सोने की संपत्ति के लिए प्रसिद्ध है, और कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र अपनी विशाल लिथियम खदानों के लिए। इसी तरह, महाकुंभ के चार स्थल भी अपनी दिव्य ऊर्जा के लिए जाने जाते हैं। ये स्थान उच्च ऊर्जा तरंगों से भरे होते हैं, जो ध्यान, योग और आत्म-साक्षात्कार के लिए आदर्श माने जाते हैं। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी मिलती है, सबसे शक्तिशाली आध्यात्मिक स्थानों में से एक है। माना जाता है कि यह संगम उच्च चेतना तक पहुँचने का एक द्वार है, जहां इन पवित्र नदियों का जल हजारों वर्षों की प्रार्थनाओं, मंत्रों और ध्यान की शक्ति को अपने भीतर समाहित करे हुए है। इसमें स्नान करने से व्यक्ति की ऊर्जा और चेतना की तरंगें ऊँची उठती हैं।

महाकुंभ में करीब 50 करोड़ लोग शामिल होते हैं, जिनका एक ही उद्देश्य होता है आध्यात्मिक विकास, दिव्य अनुभव और आत्म-परिवर्तन। वैज्ञानिक प्रमाण यह साबित करते हैं कि हमारे जीवन पर हमारे विचार, भावनाएँ और लक्ष्य का गहरा प्रभाव पड़ता हैं। जब करोड़ों लोग एक साथ भक्ति, समर्पण और आत्म-विस्तार की भावना के साथ एकत्रित होते हैं, तो पूरा वातावरण उच्च ऊर्जा से भर जाता है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। एक शराबखाने में भोग-विलास की ऊर्जा होती है, जबकि एक संगीत कार्यक्रम का हॉल संगीत की तरंगों से गूंजता है। इसी प्रकार, महाकुंभ धरती पर सबसे शक्तिशाली आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र बन जाता है। क्योंकि, वहाँ मौजूद हर व्यक्ति उच्च चेतना, दिव्य ज्ञान और मोक्ष की साधना में लगा होता है। इन सामूहिक विचारों और भावनाओं का प्रभाव इतना विशाल होता है कि वहाँ की हवा तक भक्ति, ज्ञान और दिव्यता से भर जाती है।

महाकुंभ का सबसे खास पहलू यह है कि यहाँ महान संत, सिद्ध पुरुष और आध्यात्मिक गुरु आते हैं, जो लोगों को प्राचीन ज्ञान, योग विज्ञान और गहरी आध्यात्मिक समझ प्रदान करते हैं। जो भी श्रद्धालु खुले मन और सही सोच के साथ महाकुंभ में जाता है, वह असीम आध्यात्मिक ऊर्जा और दिव्य आशीर्वाद प्राप्त कर सकता है। महाकुंभ का वातावरण इतना शक्तिशाली होता है कि जल ध्यान और अर्ध जल मग्न ध्यान जैसी साधनाएँ तेजी से आध्यात्मिक उन्नति में मदद कर सकती हैं। इन साधनाओं से साधक गहरी आत्मिक अवस्थाओं

का अनुभव कर सकते हैं, पुराने नकारात्मक संस्कारों को मिटा सकते हैं और अपने उच्चतर स्वरूप से जुड़ सकते हैं। जो साधनाएँ आमतौर पर वर्षों या दशकों में पूरी होती हैं, वे इस शक्तिशाली ऊर्जा क्षेत्र में बहुत कम समय में सिद्ध की जा सकती हैं।

त्रिवेणी संगम स्वयं एक शक्तिशाली ऊर्जा केंद्र है, जहां ध्यान करने से साधकों को दिव्य अनुभव हो सकता है। जो लोग यहाँ ध्यान करते हैं और इन पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, वे उच्च ऊर्जा से जुड़ जाते हैं और नई आध्यात्मिक ऊँचाइयों को छू सकते हैं। महाकुंभ का माहौल एक ऐसा अवसर प्रदान करता है, जहाँ साधक पवित्र ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, आत्मचिंतन कर सकते हैं और अपनी चेतना को ऊँचा उठा सकते हैं। महाकुंभ का सबसे महत्वपूर्ण भाग पवित्र नदियों में डुबकी लगाना है। यह सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि शुद्धिकरण, परिवर्तन और कर्मों से मुक्ति की प्रक्रिया है। इन नदियों में लाखों लोगों की प्रार्थना, ध्यान और सकारात्मक ऊर्जा समाहित होती हैं, जिससे इनका आध्यात्मिक प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। महाकुंभ की ऊर्जाएँ इतनी शक्तिशाली होती हैं कि जब कोई व्यक्ति इन पवित्र जल धाराओं में स्नान करता है, तो उसका केवल शरीर ही नहीं, बल्कि मन, ऊर्जा शरीर और कर्म भी शुद्ध हो जाते हैं। ग्रहों की विशेष स्थितियाँ, सामूहिक चेतना और दिव्य ऊर्जा मिलकर महाकुंभ को ऐसा दुर्लभ अवसर बनाती हैं, जहाँ व्यक्ति नकारात्मक कर्मों से मुक्ति पाकर उच्च चेतना की ओर बढ़ सकता है।

मोक्ष या मुक्ति, मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। इस संसार में कोई भी चीज धन, सफलता या शक्ति स्थायी सुख नहीं दे सकती। सच्ची मुक्ति तभी मिलती है जब व्यक्ति भौतिक मोह को पार कर, एक उच्च अस्तित्व की खोज करता है। महाकुंभ ऐसे परिवर्तन के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करता है। पवित्र ज्ञान प्राप्त करके, ऊर्जावान स्थलों पर ध्यान लगाकर और ईश्वरीय प्रवाह में स्वयं को समर्पित करके, कोई भी व्यक्ति अपनी चेतना को ऊँचा उठा सकता है और मोक्ष के करीब पहुँच सकता है। जब कोई व्यक्ति महान संतों के ज्ञान को आत्मसात करता है, यौगिक साधनाएँ अपनाता है और दिव्य अनुष्ठानों में भाग लेता है, तो वह अपने पुराने कर्मों और आदतों से मुक्त होकर ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं से जुड़ सकता है।

महाकुंभ एक दुर्लभ और दिव्य अवसर है, जहाँ साधक, योगी, संत और भक्त एकत्र होते हैं, ताकि वे ब्रह्मांडीय चेतना के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर सकें। यह वह समय होता है जब ब्रह्मांडीय ऊर्जा, पवित्र स्थान और भक्तों की सामूहिक श्रद्धा एक साथ मिलकर एक शक्तिशाली आध्यात्मिक वातावरण बनाते हैं। जो भी व्यक्ति श्रद्धा, भक्ति और सही मानसिकता के साथ महाकुंभ में भाग लेता है, उसे गहरा आध्यात्मिक परिवर्तन, तेज़ी से आध्यात्मिक विकास और दिव्य चेतना से जुड़ने का अनुभव होता है। यही महाकुंभ का असली महत्व है एक ऐसा द्वार जो आत्मज्ञान, आत्म-साक्षात्कार और मोक्ष की ओर ले जाता है।

जयंती पर विशेष

परविंदर शर्मा

लेखक जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, पटियाला में भगवान श्री परशुराम जी पीठ के अध्यक्ष एवं सहायक आचार्य हैं।

# समतावादी समाज के पथ प्रदर्शक गुरु रविदास

गुरु रविदास जी भारतीय संत, कवि और समाज सुधारक थे। उन्होंने भक्ति आंदोलन के माध्यम से समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। वे जाति-पाति, छुआछूत और भेदभाव के कट्टर विरोधी थे। उनकी रचनाएँ आज भी भारतीय समाज में प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं।गुरु रविदास जी का जन्म 15वीं शताब्दी में उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के सीर गोवर्धनपुर गांव में हुआ था। उनका जन्म माघ पूर्णिमा के दिन एक दलित परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोख दास जूते बनाने का कार्य करते थे, और माता करमा देवी धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। बचपन से ही गुरु रविदास में आध्यात्मिक झुकाव था, और वे भक्ति मार्ग की ओर आकर्षित हो गए। भक्ति के बंदन में ही बने होने के कारण गुरु रविदास जी भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में से एक थे। उन्होंने संत कबीर, संत मीरा बाई और अन्य भक्ति कवियों के साथ समाज में भक्ति रस का संचार किया। मीरा बाई गुरु रविदास जी की शिष्या थीं और उन्होंने अपने कई पदों में उनका उल्लेख किया है।

गुरू रैदास मिले मोहिं पूरे,धुर से कलम भिड़ी।
सतगुरु सैन गई जब जाके, जोत में जोत रली।
गुरू ज्ञान रंगू तन कपड़ा, मन मुद्रा फेरुंगी हो।
प्रेम प्रीत सूं हरि गुण गाऊं, चरणन लिप्त रहूंगी हो।
सतगुरु ओषद ऐसी दीन्हीं, रूम रूम भई चैना।
सतगुरु मिलिया सूंज पिछाणी ऐसा ब्रह्म मैं पाती।

गुरु रविदास जी ने कई भजन और दोहे लिखे, जिनमें आध्यात्मिक ज्ञान और समाज सुधार के संदेश निहित हैं। उनके कई पद सिखों के पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में संकलित हैं। उनके कुछ प्रसिद्ध पद निम्नलिखित हैं-

'जो हम सीपी बोपरी, पिउ गहे पलकरि। तृण तजि मोती भई, साध संगति करि॥'
'ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न।
छोट-बड़ा सब संग बसे, रविदास रहे प्रसन्न॥'

रविदास जी के प्रमुख उपदेश जाति-पाति का विरोध था गुरु रविदास ने समाज में फैली जातिगत भेदभाव की निंदा की। उन्होंने कहा कि सभी मनुष्य एक समान हैं और सब ईश्वर की संतान हैं।ईश्वर की भक्ति करना ही भगवान की भक्ति है जो की जीवन का परम लक्ष्य बताया। उनका मानना था कि केवल भक्ति मार्ग से ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। समानता और भाईचारा में गुरु रविदास ने समाज में समरसता लाने का प्रयास किया और सभी को प्रेम और सद्भाव से रहने की शिक्षा दी। गुरु रविदास जी ने कर्म का महत्व बताया उन्होंने सिखाया कि मनुष्य को अपने कर्मों के आधार पर पहचाना जाना चाहिए, न कि उसकी जाति के आधार पर। बेगमपुरा की संकल्पना में भी अहम रूप अधा किया था, उन्होंने 'बेगमपुरा' नामक आदर्श समाज की कल्पना की, जहां कोई दुख,भेदभाव या अन्याय न हो।

बेगमपुरा शहर को नाउ, दूखु अंधोहु न ही तिहि ठाउ।।

गुरु रविदास जी सर्वधर्मी थे सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में गुरु रविदास जी की 41 बाणियाँ संकलित हैं। इनमें आध्यात्मिकता, एकेश्वरवाद और मानव समानता का संदेश दिया गया है। उनके कुछ प्रसिद्ध शब्द हैं ऐसा माना जाता है कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी गुरु रविदास से प्रभावित थे और उन्होंने उनके समान विचारों को अपनाया। गुरु नानक भी सभी धर्मों, जातियों और समुदायों को एक समान मानते थे, जो रविदास जी के विचारों से मेल खाता है। सिख धर्म में नाम सिमरन (ईश्वर का स्मरण) का विशेष महत्व है। गुरु रविदास भी 'राम नाम' के स्मरण को मुक्ति का मार्ग मानते थे। गुरु रविदास जी ने महिलाओं को भी बराबरी का स्थान दिया। आज के समाज में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और अपराधों को देखते हुए, हमें उनके संदेश को अपनाना चाहिए और महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देना चाहिए।

गुरु रविदास जी भारतीय समाज में भक्ति, समानता और सामाजिक सुधार के प्रतीक हैं। उन्होंने भक्ति आंदोलन को एक नई दिशा दी और अपने पदों के माध्यम से समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता का संदेश फैलाया। उनका जीवन और शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं और हमें प्रेरित करती हैं।गुरु रविदास जी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। उन्होंने समाज में समानता, प्रेम, भाईचारे और आध्यात्मिकता का संदेश दिया। वर्तमान समय में, जब जातिवाद, सामाजिक असमानता, और भेदभाव जैसी समस्याएँ अभी भी बनी हुई हैं, उनके विचार और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। गुरु रविदास जी ने समाज को यह सिखाया कि सभी मनुष्य समान हैं और ईश्वर के बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा-

'जाति-जाति में जाति हैं, जो केतन के पात।
रैदास मानुष न जुड़ सके, जब तक जाति न जात।।'

आज के समाज को भी इस संदेश को अपनाकर जाति और वर्ग के भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उनका संदेश प्रेम, भाईचारे, ईमानदारी और समानता की ओर ले जाता है। अगर समाज उनके सिद्धांतों को अपनाए, तो हम एक बेहतर और समतावादी समाज की ओर बढ़ सकते हैं।

संत रविदास जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं।

# मानवतावादी संत थे संत रविदास

भारत के समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान् समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, ''मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है!'' इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को 'रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना।

ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात् जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर ब्राह्मण के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्न जड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे। पत्नी की बात सुनकर ब्राह्मण राजदरबार पहुंचा और कंगन राजा को भेंट किया तो राजा ने ढ़ेर सारी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। राजा ने प्रेमपूर्वक वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में पहनाया तो महारानी इतना सुंदर कंगन पाकर इतनी खुश हुई कि उसने राजा से दूसरे हाथ के लिए भी वैसे ही कंगन की मांग की। राजा ने अगले ही दिन ब्राह्मण को दरबार बुलाया और उसे वैसा ही एक और कंगन लाने का आदेश देते हुए कहा कि अगर उसने तीन दिन में कंगन लाकर नहीं दिया तो वह दंड का पात्र बनेगा। राजाज्ञा सुनकर बेचारे ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह गहरी सोच में डूब गया कि आखिर दूसरा कंगन वो कहां से लाएगा? उसे जब और कोई रास्ता नहीं सूझा तो उसने निश्चय किया कि वह संत रविदास के पास जाकर उन्हें सारे वाकये की जानकारी देगा कि कैसे गंगा मैया ने स्वयं यह कंगन उसे उन्हें देने के लिए दिया था, जो उसने लोभवश अपने पास रख लिया।

अंततः यही सोचकर वह रविदास जी की कुटिया में जा पहुंचा। रविदास उस समय प्रभु का स्मरण कर रहे थे। ब्राह्मण ने जब उन्हें सारे वृत्तांत की विस्तृत जानकारी दी तो रविदास जी ने उनसे नाराज हुए बगैर कहा कि तुमने मन के लालच के कारण कंगन अपने पास रख लिया, इसका पछतावा मत करो। रही बात राजा को देने के लिए दूसरे कंगन की तो तुम उसकी चिंता भी मत करो, गंगा मैया तुम्हारे मान-सम्मान की रक्षा करेंगी। यह कहते हुए उन्होंने अपनी वह कठौती (चमड़ा भिगोने के लिए पानी से भरा पात्र) उठाई, जिसमें पानी भरा हुआ था और जैसे ही गंगा मैया का आव्हान करते हुए अपनी कठौती से जल छिड़का, गंगा मैया वहां प्रकट हुई और रविदास जी के आग्रह पर उन्होंने रत्न जड़ित एक और कंगन उस ब्राह्मण को दे दिया। इस प्रकार खुश होकर ब्राह्मण राजा को कंगन भेंट करने चला गया और रविदास जी ने उसे अपने बड़प्पन का जरा भी अहसास नहीं होने दिया। ऐसे थे महान संत रविदास जी, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### खेल गतिविधियों के माध्यम से दिया बेटी बचाओ का संदेश

**हरदा (निप्र)।** पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के तहत गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व लिंग जांच कराना कानून दंडनीय अपराध है। अधिनियम के अनुसार सजा एवं अर्थदंड के प्रावधानों का प्रचार -प्रसार रविवार को नेहरू स्टेडियम हरदा में खेल माध्यम से किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत रविवार को सुकन्या एवं लाडली टीम के बीच 7-7 मिनिट का खो-खो मैच आयोजित किया गया। इसके बाद सीनियर बालिका टीम एवं जूनियर बालिका टीम के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया।

### स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान 13 फरवरी को

**सीहोर (निप्र)।** सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर सहकारिता के महत्व के प्रति लोगों को जागरूकता लाने के लिये विभाग के तहत सभी स्तर के विभागीय कार्यालय, सहकारी संस्थाओं में 13 फरवरी को स्वभव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता दिवस कार्यक्रम मनाया जायेगा। इस संबंध में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाऐं ने परिपत्र जारी किया है। सभी शीर्ष संस्थाओं के प्रबंध संचालक, संभाग/जिला के संयुक्त/उप/सहायक आयुक्त सहकारिता और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नाम जारी परिपत्र में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग एवं संस्थाओं में कार्यालयीन नस्तियों को व्यवस्थित करना, पुराने रिकार्ड के बस्तों में संदर्भ अंकित होना, कार्यालय में इंडेक्स रजिस्टर का संधारण जिसकी मदद से पूर्ण परिसमापन, वैधानिक कार्यवाही, स्थापना आदि के विगत 10 वर्षों के विवरण तत्काल ज्ञात किये जा सकें, जैसे काम हों। साथ ही शौचालयों की सफाई एवं कार्यालयीन कक्षों में रोशनी एवं साज-सज्जा की जायें। विभाग एवं संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी जिला कार्यालय में एकत्रित हों। उसके बाद अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर विशेष साफ-सफाई आयोजन के बैनर के साथ एक रैली निर्धारित स्थल जिला सहकारी बैंक, अन्य सार्वजनिक स्थल अथवा किसी संस्था कार्यालय तक सहकारिता एवं स्वच्छता विषयक नारे लगाते हुये निकाली जायें। इस आयोजन के बाद कार्यालय/संस्थावार फोटोग्राफ्स की प्रति व्हाट्सएप पर तथा हार्ट कॉपी मुख्यालय को अनिवार्य रूप से भेजने के निर्देश दिये हैं।

### तेज हवा चलते समय मक्का व गेहूँ की फसल में सिंचाई करने से बचें

**हरदा (निप्र)।** उप संचालक कृषि श्री संजय यादव ने विकासखंड टिमरनी के कई ग्रामो के किसानों के खेतों में मक्का, गेहूं, चना फसल का अवलोकन किया। इस दौरान ग्राम दूधकच्छ, सुहागपुर, मनियाखेड़ी, छिदगांव तमोली व पानतलाई गांव के किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। ग्राम पानतलाई के नरेंद्र छापरे, जयनारायण पटेल, सुरेंद्र सिंह राजपूत, संतोष गुर्जर, बालकदास बाके, आशीष गुर्जर एवं अन्य किसानो के खेतों का दौरा कर डॉ श्रीचंद जाट, बीटीएम टिमरनी एवं अनिल मलगया ने किसान भाइयों को विभिन्न समसामयिक फसलों के बारे में जानकारी प्रदान की। मक्का फसल मे तेज हवा चलने पर सिंचाई नहीं करने की सलाह देते हुए किसान भाइयों को बताया कि तेज हवा के दौरान सिंचाई करने से मक्का फसल आड़ी होकर गिर सकती है, जिससे किसान को नुकसान हो सकता है। चना के खेतों में अभी फूल एवं फली बन रही है। उन्होने सलाह दी है कि किसान भाई खेत में सतत निगरानी रखें एवं जरूरत हो तभी कीटनाशक एवं रोगनाशक का प्रयोग करें। गेहूं की फसल में अब बाली निकलने का समय आ गया है। किसान भाई अपने खेतों पर जाकर देखें तथा आवश्यक होने पर सिंचाई करें, तेज हवा में सिंचाई करने से बचे, जड़ क्षेत्र में अधिक नमी होने से गेहूं की फसल गिरने की आशंका रहती है।

# प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को गंभीरता से लें - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

### ग्वालियर-चंबल संभाग के स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

### मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये सरकार कृत संकल्पित

**ग्वालियर (निप्र)।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा सरकार मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये कृत संकल्पित है। इसलिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को गंभीरता से लें। अभियान के तहत हर माह 9 व 25 तारीख को सरकारी अस्पतालों में स्त्री रोग विशेषज्ञों से गर्भवती माताओं का परीक्षण कराएँ। इस दौरान हाईरिस्क गर्भवती माताओं को चिन्हित कर सभी की सोनोग्राफी, खून व यूरिन की जाँच भी कराएँ। सोनोग्राफी के लिये निजी सोनोलॉजिस्ट की सेवायें भी लें, इसका खर्चा सरकार वहन करेगी। इस काम में कोई ढ़िलाई न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ग्वालियर - चंबल संभाग की स्वास्थ्य गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

ग्वालियर प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल के लाउंज में ग्वालियर-चंबल संभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, गजराराजा मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. आर के एस धाकड़, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें डॉ. नीलम सक्सेना एवं दोनों संभागों के मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हाईरिस्क गर्भवती माताओं में खून चढ़वाने के लिये 108 वाहन का सहयोग लें। उन्होंने निर्देश दिए कि 108 वाहन का लाभ जरूरतमंद मरीजों को जल्द से जल्द मिल सके, इसके लिये वाहन का रिस्पाँस टाईम कम से कम होना चाहिए।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जानकारी दी कि गर्भवती माताओं को सेवा प्रदान करने के लिये संचालित अनमोल पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। शीघ्र ही नया पोर्टल अस्तित्व में आ जायेगा, इससे गर्भवती माताओं का पंजीयन, ट्रैकिंग व रेफर तथा जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के भुगतान में तेजी आयेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कलेक्टर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए स्वास्थ्य अधिकारी अपने-अपने जिले के कलेक्टर के ध्यान में लाकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रगति लाएँ। बैठक में मौजूद कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती चौहान ने भरोसा दिलाया कि राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन कराया जायेगा।

### मॉनीटरिंग के लिये बनाएं संभाग स्तरीय वॉट्सएप ग्रुप

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की गहन मॉनीटरिंग पर बल दिया। साथ ही निर्देश दिए कि इस अभियान की मॉनीटरिंग के लिये संभाग स्तरीय वॉट्सएप ग्रुप बनाएं, जिसमें मुझे भी जोड़ें। साथ ही संभाग आयुक्त, दोनों संभागों के सभी जिलों के कलेक्टर, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य एवं सभी सीएमएचओ सहित वरिष्ठ अधिकारियों को भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इस ग्रुप के आधार पर राज्य स्तर से विभागीय प्रमुख सचिव व आयुक्त स्वास्थ्य के माध्यम से अभियान की मॉनीटरिंग की जायेगी।

## कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों की जांच जारी

**रायसेन (निप्र)।** कलेक्टर श्री अरुण विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सामग्री विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। इसी क्रम में गत दिवस खाद्य सामग्री विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों की जांच कर मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले खाद्य विक्रेताओं के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। बाड़ी स्थित ढाबा से पनीर, तुअर दाल, बासमती चावल, आटा तथा खरगौन तह. बरेली स्थित मार्ट से घी तथा डस्ट चाय के नमूने लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए ।

राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल से संबंधित नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर गुणदोष के आधार पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जावेगी। इसी प्रकार जे.जे. रोड पर हाईवे किनारे स्थित नाश्ता जैसे कचौड़ी, समोसा, जलेबी इत्यादि का विक्रय करने वाले छोटे खाद्य कारोबारियों को समझाईश दी गई कि भविष्य में खाद्य पदार्थों जैसे कचौड़ी, समोसा, जलेबी इत्यादि को न्यूजपेपर /अखबार में सर्व कर विक्रय न करें। खाद्य सुरक्षा प्रशासन रायसेन द्वारा आमजन से भी अपील की गई है कि न्यूजपेपर/अखबार पर खाद्य पदार्थ रखकर क्रय कर उपभोग न करें, क्योंकि अखबार की इंक (नैफ्थलीन) खाद्य पदार्थों दूषित करती है। यह इंक कैंसरकारक होने से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

## सिविल सर्जन ने अपने सामने टंकियों की सफाई कराई

विदिशा (निप्र)।कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों तथा अखबारों में प्रकाशन उपरांत सिविल सर्जन डॉ आर एल सिंह ने रविवार को अपने समक्ष जिला चिकित्सालय की टंकियों की साफ-सफाई संबंधी कार्यों को पूरा कराया है वहीं अधिनस्थों को निर्देशित किया है कि टंकियों का समय अंतराल अवलोकन करने और साफ-सफाई के कार्यों को किया जाएं।

गौरतलब हो कि जिला अस्पताल की पानी की टंकियों में व्याप्त गंदगी संबंधी खबरें अखबार में प्रकाशित हुई थी। खबर के बाद सिविल सर्जन डॉक्टर आर एल सिंह ने आज पूरी टीम के साथ जिसमें आर एम ओ डॉक्टर पी सी मांझी डॉक्टर राकेश अहिरवार, सफाई सुपरवाइजर, सफाई कर्मचारियो एवं प्लंबर को साथ लेकर हॉस्पिटल की टॉयलेट का निरीक्षण किया। हॉस्पिटल की फिफ्थ फ्लोर पर रखी हुई पानी की टंकी का निरीक्षण किया गया पानी की एक टंकी को अपने सामने ही साफ करवाया गया ओर बाकी टंकियों को भी तत्काल सफाई करने के निर्देश दिए हैं ।सिविल सर्जन डॉक्टर आर एल सिंह ने बताया कि अस्पताल की टंकियों की सफाई नियमित अंतराल से की जाएं जिसका उत्तरदायित्व आर एम ओ ओर स्टीवर्ट का है उन्होंने आर एम ओ, स्टीवर्ट ,सफाई सुपरवाइजर को प्रतिदिन टंकियों का निरीक्षण करने के सख्त निर्देश दिए।

## ग्वालियर का वैभव व खूबियाँ सुनकर प्रभावित हुए अमेरिकन काउंसिल जनरल श्री हैंकी

**ग्वालियर (निप्र)।** संयुक्त राज्य अमेरिका के काउंसिल जनरल श्री माइक हैंकी दो दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर आए हैं। सोमवार को ग्वालियर आगमन के बाद श्री हैंकी सीधे ग्वालियर कलेक्ट्रेट पहुँचे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैंबू प्लांट भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। साथ ही ग्वालियर के औद्योगिक वैभव व अन्य खूबियों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा ग्वालियर निवेश के लिये सबसे अच्छी व बड़ी संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यह जानकर अमेरिका काउंसिल जनरल खासे प्रभावित हुए। उन्होंने रुचिपूर्वक ग्वालियर की अन्य खूबियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने अमेरिका के काउंसलर जनरल श्री हैंकी को ग्वालियर की विशेषतायें बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर संगीत, कला व स्थापत्य के साथ-साथ औद्योगिक व आर्थिक रूप से भी समृद्ध रही है। ग्वालियर शहर देश की राजधानी नई दिल्ली के नजदीक होने के साथ-साथ उत्कृष्ट हवाई, रेलवे व सड़क सेवाओं से पूरे देश से जुड़ा है। ग्वालियर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का दिव्यांग खेल स्टेडियम,

ट्रिपल आईटीएम व एलएनआईपीई जैसे राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान सहित कई विश्वविद्यालय हैं। इस प्रकार ग्वालियर एक शिक्षा का हब भी बन चुका है।

श्रीमती चौहान ने जानकारी दी कि ग्वालियर में वेस्टर्न बायपास, एलीवेटेड रोड, आईएसबीटी व आगरा-मुम्बई सिक्सलेन एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े-बड़े प्रोजेक्ट मूर्तरूप ले रहे हैं। साथ ही अंतराष्ट्रीय स्तर का एयर टर्मिनल हाल ही में बनकर तैयार हुआ है। अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन निर्माणाधीन है।

अमेरिकन काउंसिल जनरल को ग्वालियर के औद्योगिक वैभव से परिचित कराते हुए कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जानकारी दी कि ग्वालियर के जयाजी कॉटन मिल, ग्रेसिम, सिमको, लैदर फैक्ट्री, ग्वालियर पॉटरीज जैसी इंडस्ट्रीज का देश की नहीं पूरी दुनिया में नाम था। साथ ही यहाँ के व्हाइट स्टोन का कई देशों में निर्यात होता है। आयरन ओर सहित अन्य खनिज पदार्थ भी यहाँ पाए जाते हैं।

**सहरिया जनजाति बहुल क्षेत्र के विकास में सहयोग के लिये दिखाई रुचि**

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले में निवासरत प्रदेश की सबसे पिछड़ी जनजातियों में शुमार सहरिया जनजाति के बारे में भी अमेरिकन काउंसिल जनरल श्री हैंकी को जानकारी दी। साथ ही सहरिया जनजाति के विकास के लिये सहयोग मांगा। अमेरिकन काउंसिल जनरल ने अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के माध्यम से सहरिया जनजाति के सशक्तिकरण के लिये सहयोग करने में रुचि दिखाई है।

**औद्योगिक निवेश की संभावनायें तलाशने आए हैं अमेरिकन काउंसिल जनरल :** औद्योगिक निवेश की संभावनायें तलाशने के उद्देश्य से मुम्बई स्थित संयुक्त राज्य अमेरिका के वाणिज्यिक दूतावास से काउंसिल जनरल श्री माइक हैंकी सोमवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पहुँचे। श्री हैंकी ने सबसे पहले कलेक्ट्रेट पहुँचकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान से मुलाकात की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक श्री प्रतुलचंद सिन्हा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

## शमशाबाद में अवैध कॉलोनी निर्माण पर कार्यवाही

### कलेक्टर ने बगैर अनुमति के भूखंडों का अंतरण और विक्रय निषेधित, प्रतिबंधित किया

**विदिशा (निप्र)।** कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आदेश जारी कर शमशाबाद नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 04 निवासी अनावेदक मनोज पुत्र बटनलाल कुशवाह के स्वत्व की नगर परिषद सीमाक्षेत्र प.ह.नं. 06 स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 311/1/2/4/1 रकबा 0.280 हेक्टेयर भूमि का अंतरण, विक्रय अधोहस्ताक्षरकर्ता की अनुमति के बगैर निषेधित, प्रतिबंधित कर दिया है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि आदेश के उल्लंघन की स्थिति मे किये गये समस्त अंतरण शून्य होंगे। जिला पंजीयक , विदिशा उक्त आदेश का पालन कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।अनावेदकगण को यह भी आदेशित किया गया है कि वह उक्त भूमि की अनाधिकृत कॉलोनी के सभी चिन्हांकन और सभी प्रकार के निर्माण 15 दिवस की अवधि मे हटाया जाना सुनिश्चित करें, अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात आदेश के उल्लंघन पर उक्त नियम-22 (4) के तहत अनाधिकृत कॉलोनी के सभी चिन्हांकन और सभी प्रकार के निर्माण कार्य हटाये जाने की कार्यवाही की जाएगी और इस संबंध में शासन द्वारा की गई कार्यवाही मे होने वाले व्यय को अनावेदक से भू-राजस्व की बकाया के तौर पर वसूल किया जाएगा। अनावेदकगण के विरूद्ध अधिनियम के सुसंगत उपबंधों के तहत दाण्डिक कार्यवाही के लिये संबंधित पुलिस थाने मे प्राथमिकी भी दर्ज करायी जाएगी।

उपखण्ड अधिकारी शमशाबाद श्री अजय प्रताप सिंह पटेल के द्वारा प्रतिवेदन प्रकरण प्रस्तुत किया था कि नगर परिषद शमशाबाद भूमि सर्वे क्रमांक 311/1/2/4/1 रकबा 0.280 हेक्टेयर पर अनावेदक मनोज कुशवाह पुत्र बटनलाल कुशवाह निवासी वार्ड नं. 04 भगवानपुर रोड शमशाबाद द्वारा, बगैर कॉलोनी विकास अनुमति प्राप्त किये उक्त भूमि पर भू-खण्डों का विक्रय किया जाकर अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है।

उपखण्ड अधिकारी शमशाबाद के प्रतिवेदन पर अनावेदक पक्ष को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर भूमि का व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण आदेश , कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश से अनुमोदित अभिविन्यास, कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, कॉलोनी विकास की अनुमति एवं भूमिस्वामित्व संबंधी खसरा, रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र, आदि विधिक दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने का अवसर प्रदान किया गया।

अनावेदक द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र प्राप्ति उपरांत लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया जिसके साथ कोई कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये। अनावेदक द्वारा अपने स्वत्व की उक्त भूमि पर विधिक अनुमति आदि प्राप्त किये बगैर अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है, जो मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा-339 ग (2). (3) के तहत दण्डनीय अपराध है, जो म.प्र. नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम, तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

## बरेली आबकारी अमले द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही में भारी मात्रा में शराब एवं शराब बनाने की सामग्री जप्त

**रायसेन (निप्र)।** कलेक्टर श्री अरुण विश्वकर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती वंदना पांडेय के मार्गदर्शन ने सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री सुदीप तोमर (कंट्रोलर) एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सरिता चंदेल के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक राजेश विश्वकर्मा द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर दिनाँक 08 एवं 09 फरवरी को अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बारना नदी किनारे, ग्राम केलकछ, ग्राम सिलारी , सिन्धी कैंप बाड़ी, अमरावद, सेमरी तथा मालझिर में दबिश दी जाकर दो पेटियों एवं एक झोले में रखे 115 पाव देशी मसाला एवं प्लेन मदिरा,13 बीयर बोतलें,72 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा ज़ब्त कर कब्ज़ा आबकारी लिया गया तथा 07 ड्रमों में भरा करीबन 1220 किलोग्राम गुड़ मिश्रित महुआ लाहन जप्त कर मौके पर नमूना लिया जाकर शेष लाहन नष्ट किया द्य इस कार्रवाई में कुल 07 प्रकरण कायम किए जाकर 05 आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया, 02 आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे जिनकी गिरफ्तारी शेष है।

सातो प्रकरणों के आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34- 1 ( क ) के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों के नाम श्रीपाल राजपूत, आशीष भदोरिया, बतकुल्ला पारदी, मझले चौहान एवं अभिषेक चौहान हैं। ज़ब्त अवैध देशी व विदेशी मदिरा तथा लाहन का बाजार मूल्य रुपये 147900/- आंकलित किया गया द्य उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक श्री रामस्वरूप पटेल , सुश्री स्वेता शिवहरे, नगर सैनिक श्री राकेश शर्मा एवं श्री हल्के परते सहित ड्राइवर श्री अंशुल का सराहनीय सहयोग रहा ।

# लिम्फेटिक फायलेरिया उन्मूलन अभियान का हुआ शुभारंभ

**ग्वालियर (निप्र)।** केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित देश के 13 चिन्हित राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लिम्फेटिक फायलेरिया बीमारी से बचाव पर चर्चा की। साथ ही लिम्फेटिक फायलेरिया उन्मूलन अभियान का शुभारंभ किया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल व्हीआईपी सर्किट हाउस मुरार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। उन्होंने व्हीसी के माध्यम से प्रदेश के चिन्हित 9 जिलों में राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन अभियान (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश के सभी संबंधित जिलों के अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं अन्य विभागों के मैदानी कर्मचारियों को अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि फायलेरिया उन्मूलन के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। प्रदेश में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक 9 जिलों के 23 चिन्हित विकासखण्डों में प्रशिक्षित दवा सेवकों के माध्यम से बूथ डे एवं घर-घर भ्रमण के द्वारा फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन निःशुल्क कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आमजन से अपील की है कि वे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के निर्देशानुसार डीईसी, एल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन दवाओं का सेवन अवश्य करें और अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश के 9 जिलों – मउगंज, पन्ना, छतरपुर, उमरिया, दतिया, कटनी, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं शहडोल के 23 विकासखंडों में दिनांक 10 फरवरी से 25 फरवरी तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान का संचालन किया जाएगा। एमडीए अभियान के अंतर्गत 23 चिन्हित ब्लॉकों की 58,08,577 की आबादी में से 52,85,805 लाभार्थियों को दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान 10 फरवरी एवं 14 फरवरी को बूथ-डे गतिविधि आयोजित की जाएगी, जहां लक्षित जनसमुदाय को दवा सेवन कराया जाएगा। 15 फरवरी से 21 फरवरी तक स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर दवा वितरित करेंगे और समक्ष में दवा सेवन कराएंगे। जो व्यक्ति इन तिथियों में दवा सेवन नहीं कर पाएंगे, उनके लिए 22 फरवरी से 25 फरवरी तक मॉप-अप राउंड का संचालन होगा।

### शत प्रतिशत लक्षित जनसमुदाय का दवा सेवन करें सुनिश्चित

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और पूर्ण मनोयोग एवं समर्पण से अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ सभी विभागों के समन्वित प्रयास से ही यह सफल हो सकता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के मैदानी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया कि वे समर्पण के साथ कार्य करें और शत प्रतिशत लक्षित जनसमुदाय द्वारा दवा सेवन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फायलेरिया उन्मूलन के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं, ताकि वर्ष-2030 तक प्रदेश को फायलेरिया से मुक्त बनायें।

## 29 अवैध कॉलोनियों के प्लाटों की बिक्री पर रोक के आदेश जारी

**विदिशा (निप्र)।** कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह ने जिले की 29 अवैध कॉलोनियों के प्लाटों की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश का अक्षरशः पालन व सूचित करने के निर्देश जिला पंजीयक व अधिनस्थों को दिए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश में 29 अवैध कॉलोनी संचालकों पर कार्रवाई की गई है जिसमें विदिशा तहसील की 12 और शमशाबाद तहसील की 17 कॉलोनी संचालक शामिल है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी ने जिन कालोनी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई के संबंध में बताया कि दौलतराम पुत्र श्यामलाल कुशवाह, चंन्द्रमोहन पुत्र जगमोहन साहू, प्रमोद पुत्र बालाराम कुशवाह, रमेश पुत्र बटनलाल कशवाह, घनश्याम पुत्र जगन्नाथ प्रसाद साहू, राकेश पुत्र रामप्रसाद ब्राम्हण, रामकिशन पुत्र प्रभूलाल भोई, हीरालाल पुत्र जगन्नाथ साहू, पुरुषोत्म पुत्र रामगोपाल माहेश्वरी, राजेन्द्र पुत्र भीकम चंद साहू, कृष्णकुमार पुत्र रामप्रसाद ब्राम्हण, श्रीमति सुशीला बाई पत्नि दौलतराम विश्वकर्मा, प्रकाश पुत्र रामदयाल झा, मनोज पुत्र बारेलाल साहू, मनोज पुत्र बटनलाल कुशवाह, रमेश पुत्र हरग्यान सिंह यादव, श्रीमति साधना पत्नि नरेन्द्र शर्मा, उमांशकर पुत्र बृन्द्रावन दुबे, बाबूलाल पुत्र तुलसीराम काछी, गुफरान पुत्र हबीब खांन, संजय पुत्र बेनीप्रसाद विश्वकर्मा, वीरेन्द्र पुत्र काशीराम शर्मा, प्रदीप पुत्र कामता प्रसाद शर्मा, डोंगरसिंह पुत्र चेन सिंह कुशवाह, संदीप पुत्र नरेश कुमार तारण शामिल हैं।

# सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में पूरा करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री ने विभागीय कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में विभिन्न विभागों की विभागीय कार्ययोजना एवं उससे जुड़े वित्तीय प्रावधानों के संदर्भ में समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय कार्य योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्त वर्ष में विभागों को जारी किए गए बजट में वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए शत-प्रतिशत बजट का उपयोग सुनिश्चित करें। नये वित्तीय वर्ष के बजट में योजनाओं के लक्ष्य के अनुरूप वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित किए जाएं। सभी विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में पूरा करें, जिससे विकास कार्यों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा को निर्देश दिए कि वे आयुष्मान निरामयम योजना की नियमित रूप से मानीटरिंग करें। सभी जरूरतमंद व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के प्रकरणों में तत्परता और सजगता से कार्रवाई की जाये। सभी पात्र व्यक्तियों के तेजी से आयुष्मान कार्ड बनाये जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी की जाए। जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे, इसके लिए विभागों को बेहतर तालमेल और उच्च कोटि का समन्वय बनाकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूंजीगत परियोजनाओं की स्वीकृति समय पर हो तथा इनका क्रियान्वयन भी समय सीमा में ही पूरा करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के आर्थिक संसाधनों के न्यायसंगत वितरण पर जोर दिया और कहा कि वित्तीय नियमावली का पालन करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों से रिजल्ट ओरिएंटेड कार्यशैली अपनाने और योजनाओं के समयबद्ध निष्पादन के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को राज्य के समग्र और तीव्र विकास के लिए नीतिगत निर्णय लेने की प्रक्रिया में और तेजी लाने तथा वित्तीय संसाधनों के प्रभावी व अधिकतम उपयोग पर बल दिया। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने अपनी विभागीय कार्य योजनाओं की जानकारी दी और आगामी वित्त वर्ष के लिए तय किये गये लक्ष्यों की रूपरेखा पर चर्चा की।

बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डा. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन सहित लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा व नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव तथा स्कूल शिक्षा व तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के सचिव उपस्थित थे।

# एम्स भोपाल को बाल किडनी रोग देखभाल के लिए मिला अंतर्राष्ट्रीय श्रियर पुरस्कार

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान निरंतर चिकित्सा अनुसंधान में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। हाल ही में, एम्स भोपाल ने इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (ढ्ढस्ह्र) द्वारा 2025 का प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय श्रियर पुरस्कार प्राप्त किया है। यह सम्मान बाल किडनी रोग देखभाल में उनके उत्कृष्ट योगदान और 2018 से 2024 तक मैकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा के साथ सफल साझेदारी के लिए दिया गया है। साथ ही, एम्स भोपाल को पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी में आईएसएन क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया। यह पुरस्कार डॉ. रॉबर्ट डब्ल्यू. श्रियर के नाम पर दिया जाता है, जो गुर्दा शोध और वैश्विक नेफ्रोलॉजी शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाने जाते है। यह सम्मान उन संस्थानों को दिया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों के माध्यम से नेफ्रोलॉजी देखभाल, शिक्षा और शोध में अद्वितीय प्रगति दिखाते हैं। एम्स भोपाल अब विश्व के उन 57 आईएसएन सिस्टर रीनल सेंटर जोड़ों में से एक है, जिसने यह मान्यता प्राप्त की है।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने बाल रोग नेफ्रोलॉजी इकाई की समर्पित सेवाओं और अग्रणी कार्यों की सराहना की। उन्होंने डॉ. शिखा मलिक (बाल रोग विभागाध्यक्ष), डॉ. अंबर कुमार और डॉ. गिरीश भट्ट को बधाई देते हुए कहा, ÷यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारी टीम के बाल किडनी रोग देखभाल को उन्नत बनाने के सतत प्रयासों का प्रमाण है। एम्स भोपाल को आईएसएन क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मिली यह मान्यता न केवल हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाएगी, बल्कि भारत और अन्य देशों में विभिन्न चिकित्सा केंद्रों को सहयोग प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।÷ एम्स भोपाल की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए डॉ. शिखा मलिक ने बताया कि संस्थान की समर्पित बाल रोग डायलिसिस यूनिट ने पिछले वर्ष में 1000 से अधिक डायलिसिस सत्र और 150 प्लाज्मा एक्सचेंज सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, जिससे अनेक बच्चों की जान बचाई गई है।

# पेंशनर्स के बकाया राशि का भुगतान करने हेतु बजट में प्रावधान करने की मांग

**भोपाल।** पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने 18 वर्ष से लंबित छठवे वेतनमान के 32 माह एवं 8 वर्ष से लंबित सातवें वेतनमान के 27 माह के एरियर्स सहित वर्षों से लंबित अन्य मांगों की बकाया राशि का पेंशनरों को भुगतान करने बर्ष 2025-26 के बजट में प्रावधान करने की मांग शासन से की है। जोशी ने बताया कि वित्त विभाग की उदासीनता के कारण छठवें एवं सातवें वेतनमान के एरियर्स का लाभ अधिकांश पेंशनर को उनके जीवन काल में नहीं मिल पाया। जोशी ने मध्य प्रदेश शासन की मंशा पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए आरोप लगाया है कि शासन की नीति एरियर्स पाने वाले सभी पेंशनरों के दिवंगत होने के बाद आदेश जारी करने की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि छठवें वेतनमान के गजट नोटिफिकेशन एवं छत्तीसगढ़ वित्त विभाग की सहमति के बाद भी शासन अपने ही आदेश का पालन नहीं कर रहा है। सक्सेना ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आयोजित पेंशनर पंचायत में दिनांक 15 मई 2018 को घोषणा की थी कि सातवें वेतनमान का लाभ पेंशनरों को 1 जनवरी 2016 से दिया जाएगा, जिसका आज तक पालन नहीं किया गया। सक्सेना ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49, अनुसूची 6 जो एकीकृत मध्यप्रदेश के पेंशनरों के लिए लागू है, को उत्तरवर्ती मध्यप्रदेश के पेंशनरों पर थोपी जाकर महंगाई राहत देने में भेदभाव किया जा रहा है?

# एम्स भोपाल ने रापड़िया गाँव में विश्व यूनानी दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य और योग

## जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, आयुष विभाग द्वारा विश्व यूनानी दिवस के अवसर पर मंगलवार को भोपाल के रापड़िया गाँव के एक विद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और यूनानी चिकित्सा प्रणाली के लाभों को समझाना था। इस आयोजन में लगभग 63 स्कूली बच्चों ने भाग लिया और उन्हें स्वास्थ्य परीक्षण के साथ- साथ यूनानी चिकित्सा, आहार-विहार, योग और सुपर पावर ब्रेन योग के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। एम्स के वरिष्ठ यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. तारिक बरकती और योग प्रशिक्षक चंचल सूर्यवंशी की टीम ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। इस दौरान बच्चों का सामान्य स्वास्थ्य, पोषण स्तर, वजन, ऊँचाई और दृष्टि का परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में आहार और विहार (जीवनशैली) पर भी विशेष सत्र आयोजित किया गया। एम्स के विशेषज्ञों ने बच्चों को संतुलित आहार के महत्व के बारे में बताया और समझाया कि उचित खान-पान और सही दिनचर्या से जीवन को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाया जा सकता है। इसके अलावा, योग पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें बच्चों को योगाभ्यास के लाभ और सुपर पावर ब्रेन योग के महत्व के बारे में बताया गया। इस योग तकनीक से बच्चों की एकाग्रता, स्मरणशक्ति और मानसिक विकास में मदद मिल सकती है।प्रो. सिंह ने इस आयोजन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, विश्व यूनानी दिवस पर यह आयोजन न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने का प्रयास है, बल्कि ग्रामीण समुदाय में यूनानी चिकित्सा प्रणाली और योग के महत्व को रेखांकित करता है।

# तमिल समाज ने मनाया ताईपुषम उत्सव

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल में तमिल समाज द्वारा भगवान कार्तिकेयन की कावड़ यात्रा के साथ ताईपुषम उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। परंपरा के अनुसार, कावड़ यात्रा कृष्ण मंदिर बरखेड़ा से शुरू होकर देवी मरियमम्न मंदिर, पद्मनाभन नगर बरखेड़ा एफ सेक्टर में समाप्त हुई। मंदिर समिति के अध्यक्ष पी नागराजन ने बताया कि यह

आयोजन पिछले 20 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। कार्यक्रम में देवी की पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सभी समाज के लोगों का सक्रिय सहयोग मिला। भेल के श्रमिक नेता दीपक गुप्ता भी वार्षिक परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी ताईपुषम पर्व में शामिल हुए, जिनका समिति द्वारा विशेष स्वागत किया गया। गुप्ता ने कहा कि वे स्वयं को तमिल समाज का पारिवारिक सदस्य मानते हैं। कार्यक्रम में पार्षद नीरज सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता टी आर मिश्रा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। तमिल समाज से गोविंदा स्वामी, वी मूर्ति, मयावन, गोपी के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने भी इस धार्मिक यात्रा में भाग लिया।

# भोपाल में 1 घंटे में फुल चार्ज कर सकेंगे ई-व्हीकल

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के लेक व्यू पर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने फास्ट ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दिया है। यहां एक बार में एकसाथ 5 कारें या अन्य वाहन चार्ज हो सकेंगे। ट्रायल के रूप में एक सप्ताह के लिए कारों की चार्जिंग निशुल्क रहेगी। चार्जिंग स्टेशन से पिछले तीन दिन में 150 से अधिक वाहनों ने बिजली की 3 हजार यूनिट चार्ज की है।

लेक व्यू पर 120 किलोवॉट, 60 किलोवॉट एवं 22 किलोवॉट कैपेसिटी के फास्ट चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। जिनमें टाइप-2 चार्जिंग गन का इस्तेमाल किया गया है। इनमें कार फूल चार्ज एक घंटे में हो रही है। स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरुण कुमार के निर्देश पर ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट से पूर्व उक्त चार्जिंग स्टेशन शुरू किया गया है। इसके साथ ही एक अन्य चार्जिंग स्टेशन जल्द ही एमपी नगर स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के पास शुरू होगा। इसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

**ऐसे कर सकते हैं वाहन चार्ज-** वाहन चार्ज करने के लिए वाहन मालिकों को स्टेटिक एप अपने फोन पर डाउनलोड करना होगा। इसमें न्यूनतम 50 रुपए की राशि बैलेंस रखना होगी। वर्तमान में एप डाउनलोड कर ई-वाहन को चार्ज किया जा सकेगा। 7 दिन तक चार्जिंग शुल्क नहीं लगेगा। एप पर दिए गए निर्देश का पालन करते हुए वाहनों को चार्ज किया जा सकेगा। एप डाउनलोड करने के लिए स्टेशन पर क्यूआर कोड की सुविधा भी दी गई है।

**सीईओ ने किया एबीडी एरिया का निरीक्षण-** ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की तैयारियों को लेकर भोपाल स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरुण कुमार ने मंगलवार को एबीडी एरिया टीटी नगर का निरीक्षण किया। इसके दौरान सीईओ ने एबीडी एरिया की अटल पथ, लाड़ली लक्ष्मी पथ और अन्य सड़कों के निर्माण, मरम्मत, सौंदर्यीकरण कार्य और अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कार्य तय समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

# जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का अधिकारी गंभीरता पूर्वक करें निराकरण : कलेक्टर

**बैतूल।** कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि अधिकारी गंभीरता पूर्वक जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण करें। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवेदकों को अपनी समस्या के निराकरण के लिए बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को समक्ष में सुन रहे थे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव उपस्थित थे। जनसुनवाई में कुल 72 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में बैतूल के लापाझिरी निवासी शेषराव ने आवेदन के माध्यम से कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को बताया कि उनकी दुर्घटना के कारण रीढ़ की हड्डी टूट गई, जिससे वे चलने में असमर्थ है। आर्थिक स्थिति खराब होने से बैटरी चलित ट्राई सिकल भी नहीं खरीद पा रहे। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने उप संचालक सामाजिक न्याय को आवेदक की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय के गांधी वार्ड कोठी बाजार निवासी केतन सातनकर ने अनाधिकृत अस्थाई टीन शेड लगाकर बंद किए गए सार्वजनिक रास्ते को खोले जाने संबंधी आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नगर पालिका सीएमओ को प्रकरण की जांच के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर जांच के दिए निर्देश

जनसुनवाई में भैंसदेही तहसील के ग्राम बरहापुर निवासी श्रीमती रुखमीना सोनारे ने आवेदन के माध्यम से आवास सूची में नाम जुड़वाए जाने की मांग की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सीईओ जनपद पंचायत को आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय के लोहिया वार्ड क्रमांक 30 निवासी घुडन् इरपाचे ने अर्चना पति दिलीप पोटफोड़े द्वारा रजिस्ट्री से अधिक भूमि पर अवैध कब्जा कर भवन निर्माण किए जाने की शिकायत की।

# विक्रांत भूरिया आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

## दिल्ली में एमपी के आदिवासी नेताओं का बढ़ा कद, ट्राइबल वोटर्स को वापस जोड़ने की कोशिश

**भोपाल (नप्र)।** झाबुआ से कांग्रेस विधायक और मप्र युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया को ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। विक्रांत भूरिया अब शिवाजीराव मोघे की जगह लेंगे। भूरिया पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के बेटे हैं।

**युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में थे शामिल-** विक्रांत भूरिया ने पिछले साल अप्रैल में मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मितेन्द्र दर्शन सिंह यादव को युवा कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। विक्रांत भूरिया प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ने के बाद युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में शामिल थे। लेकिन, सितंबर में जम्मू-कश्मीर के रहने वाले उदय भानु चिब को युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था।

**आदिवासी वर्ग में पैठ बढ़ाने में जुटी है कांग्रेस-** मप्र में 22 फीसदी आदिवासी आबादी है। प्रदेश की 230 में से 47 विधानसभा सीटें आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। इनमें से 24 सीटों पर बीजेपी और 22 सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं। एक सीट पर भारत आदिवासी पार्टी के कब्जे में हैं। आदिवासी वर्ग कांग्रेस का परंपरागत वोटर माना जाता है। कांग्रेस आदिवासी वर्ग को

वापस जोड़े रखने के लिए युवा नेताओं को आगे बढ़ा रही है।

**कांग्रेस में आदिवासी नेताओं का बढ़ता कद-** कांग्रेस में आदिवासी वर्ग के नेताओं का कद लगातार बढ़ रहा है। डिंडोरी से विधायक और पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम कांग्रेस की सीईसी (सेंट्रल वर्किंग कमेटी) के सदस्य बनाए गए थे। उमंग सिंघार को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। अब विक्रांत भूरिया को आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है।

# अपराध और अपराधियों की जड़ें इतनी कितनी गहरी कि उसे निकाल पाना नेता और पुलिस के बस में नहीं..?

**नर्मदापुरम- संजीव डे राय**

आईपीएल सट्टेबाजी को लेकर की गई आत्महत्या के मामले में विधायक ना तो आई जी से मिल पाएं और ना पुलिस अधीक्षक से..? हालांकि मिलने गए विप्र समाज प्रतिनिधि मंडल को उन्होंने अमित दीवान और अमित उपाध्याय के मसले पर एसपी और आईजी से चर्चा कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करवाने का आश्वासन जरुर दिया था। आज सोशल मीडिया पर यह खबर जरूर है कि विधायक जी ने एसपी को पत्र लिखकर इटारसी सहित नर्मदापुरम में चल रहे आनलाइन किक्रेट के सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करने को लिखा है, आईपीएल किक्रेट सट्टेबाजी को लेकर आत्महत्या कर चुके अमित दीवान, अमित उपाध्याय को भले ही न्याय नहीं मिले लेकिन यह सच साबित हो रहा, विधायक को नगर और नगरवासियों से लगाव नहीं.. वे केवल घर परिवार की सुरक्षा दीवार मजबूत करने में लगे हैं। अमित दीवान, अमित उपाध्याय की आत्महत्या जबकि इस समय चौक-चौराहों सहित सोशल मीडिया पर खासी चर्चा का विषय है। सामाजिक बुराई में शामिल शराब बेचने से लेकर जुआं सट्टा खिलाने वाले अपराधी नगर में नेता नगरी और पुलिस के संरक्षण में इतने फूल-फल जायेंगे किसी ने सोचा नहीं होगा..? कि छोटे मोटे समझे जाते अपराध और अपराधियों की जड़ें इतनी गहरी है उसे निकाल पाना अब नेता और पुलिस के बस में नहीं..? फिर चौक-चौराहों पर लगने वाले होर्डिंग जिसमें साल में लगभग बीस मर्तबा नेताओं की तस्वीरों के साथ अधिकांश जो तस्वीरें दिखाई देती, वे अपने इलाके में खास कहलाने और नेताओं की समीपता में सभी काम करने में पारंगत होने गुलामी की श्रेणी तक आ चुके, सोशल मीडिया की वाल पर तो सूरज तिवारी लिखने से नहीं हिचकिचाते कि होशंगाबाद शहर में जितने भी सटोरिया हैं चाहे वह आईपीएल वाले हो चाहे सुबह दोपहर शाम का सट्टा लिखने वाले हो.. जो धार्मिक आयोजन में बड़े-बड़े पोस्टर विधायक सांसद और प्रभारी मंत्री के आने पर उनके बड़े-बड़े होर्डिंग लगते हैं प्रतिनिधि उन्हें संरक्षण देते हैं। अमित दीवान अंकित उपाध्याय युवाओं का आत्महत्या करना आज सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट दर्ज होने पर भी अभी तक कोई भी आईपीएल सट्टेबाज व्यक्ति गिरफ्तार नहीं हुआ, यह सवालों के घेरे में है क्या पुलिस विभाग या गृहमंत्री इस पर एक्शन क्यों नहीं लेते हैं, उनकी जो अर्जित संपत्ति है उसका लेखा-जोखा जनता के बीच में आनी चाहिए उसे राजसात की जानी चाहिए। यह अकेले सूरज तिवारी की सोच नहीं बल्कि अजय दुबे, अशोक जैन, वीरेंद्र यादव, प्रभाकर सेनापत, यशराज राठौड़, अखिलेश मिश्रा, लक्ष्मण बैस जैसे जिम्मेदार नागरिकों की विशेष टिप्पणियां है।

# जिले में अवैध खनन, शराब, सट्टा/ऑन लाइन क्रिकेट सट्टा माफिया हावी, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता

**नर्मदापुरम।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव व प्रवक्ता राजकुमार केलू उपाध्याय ने बयान जारी करते हुए कहा कि नर्मदापुरम जिले में अवैध शराब, अवैध रेत,मुरम,मिट्टी उत्खनन/परिवहन,सट्टा/जुआ/ऑन लाइन क्रिकेट सट्टा,राशन माफिया की खबरें निरंतर भाजपा की प्रदेश में सरकार बनने के बाद से ही समाचारों में आ रही है किन्तु अभी तक इन मामलों में जिले में वर्षों से सत्तासीन भाजपा विधायक विधानसभा में प्रश्न नहीं उठा पाए..? क्यों नहीं भाजपा विधायक सार्वजनिक स्थलों पर मंच,माइक से विरोध नहीं कर पाए..? प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय ने कहा कि इटारसी भाजपा शासित नगरपालिका में भी गंभीर मामले निरंतर सामने आ रहे है भ्रष्टाचार की जांच, शिकायते, प्लाट, दुकानों के नामांतरण,आवंटन पर भी प्रदेश भाजपा सरकार से जनहित में भाजपा विधायक पत्रों,प्रश्नों से जवाब मांगे व मामलों में दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाहीं कराने की कोशिश करे...

# जमीन विवाद में किसान की कुल्हाड़ी से हत्या

## चचेरे भाई और उसके नाबालिग बेटे ने की वारदात

**बैतूल।** थाना चिचोली के चौकी भीमपुर अंतर्गत ग्राम आदर्श पिपरिया में जमीनी विवाद के चलते हुए हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस हत्या कांड में पुलिस ने आरोपी शेखलाल काकोडिया और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एवं मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 9 फरवरी को प्रातः 9.00 बजे ग्राम आदर्श पिपरिया में खेत के पास कच्चे रास्ते पर खून से लथपथ हालत में बक्कू काकोडिया (उम्र 50 वर्ष) मृत अवस्था में पाए गए थे। फरियादी देवजी काकोडिया (मृतक का पुत्र) की सूचना पर थाना चिचोली पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता का जमीनी विवाद को लेकर चाचा शेखलाल काकोडिया एवं उसके बेटे (बाल अपचारी) से विवाद चल रहा था। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच में भी इन दोनों की संलिप्तता सामने आई। सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट निरीक्षक आबिद अंसारी के निर्देशन में

मौके पर फॉरेंसिक टीम पहुंची एवं साक्ष संकलन की कार्यवाही की गई। विवेचना के दौरान एसडीओपी शाहपुर, थाना प्रभारी चिचोली एवं चौकी प्रभारी भीमपुर की टीम ने संदिग्धों से कड़ाई से पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी शेखलाल काकोडिया को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एवं मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई।

# व्यापारी से 4.78 लाख ठगने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

**बैतूल।** बैतूल पुलिस और साइबर सेल ने जिप्सम बोर्ड सप्लाई के नाम पर 4.78 लाख की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। राजस्थान और गुजरात से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके बैंक खाते और मोबाइल फोन जब्त किए गए। पीड़ित दुर्गेश साहू, जो बैतूल में कनिष्का इंटीरियर फॉल सीलिंग हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं। उन्होंने 14 सितंबर 2024 को साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर 2023 को ओमिया एजेंसी महेंद्र नगर, गुजरात नाम की कंपनी ने उनसे संपर्क किया। आरोपियों ने वॉट्सऐप पर जिप्सम बोर्ड की तस्वीरें भेजकर पेमेंट की मांग की। दुर्गेश ने 6 अक्टूबर को 1 लाख, 7 अक्टूबर को 50 हजार, 10 अक्टूबर को 2.30 लाख और 11 अक्टूबर को 8 हजार रुपए फोन पे, पेटीएम और ऋञ्जत्रस् के जरिए ट्रांसफर किए। पैसे मिलने के बाद आरोपियों ने न तो माल भेजा और न ही फोन उठाया। इसके बाद दुर्गेश ने शिकायत की थी। पुलिस ने साइबर ट्रैकिंग के जरिए 10 फरवरी 2025 को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें राजस्थान के जालौर से विनोद प्रजापति (33), जबरा राम (28) और गुजरात के मासकाठा से प्रवीण प्रजापति (40) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते और मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं।

**एक साल तक जांच में अटका रहा मामला-** ये मामला एक साल तक साइबर सेल की जांच में अटका रहा। बाद में इसे कोतवाली थाने में ट्रांसफर किया गया, जहां 16 सितंबर 2024 को एफआईआर दर्ज की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जगदीश प्रसाद ठाकुर, साइबर सेल और कोतवाली पुलिस की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# यश बाथरे ने 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड 2025 में जीता गोल्ड मेडल..

**नर्मदापुरम।** उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय ऑलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक 38 वे राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जा रहे हैं। इन खेलों के अंतर्गत मार्डन पैंटाथलान नगर के गौरव एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी यश बाथरे ने गोल्ड मेडल अर्जित कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यश के गुरु उमाशंकर व्यास ने बताया कि यश बाथरे विगत पाँच वर्षों से निरंतर राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय ट्रायथलान व मार्डन पैंटाथलान प्रतियोगिताओं सम्मलित होकर पदक प्राप्त कर नगर और प्रदेश को गौरवान्वित कर रहे हैं। श्री व्यास ने बताया कि यश के नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। यश बाथरे की इस उपलब्धि पर मध्य प्रदेश ऑलंपिक संघ के उपाध्यक्ष व विधायक श्री विजय पाल सिंह सहित राजेंद्र उपाध्याय[पार्षद] अध्यक्ष जिला पैंटाथलान संघ,मनोहर सराठे,राजेन्द्र नामदेव, गजेंद्र सुराजीया, मुकुल गुप्ता, योगेश परसाई, नीरज बरगले, बबलू यादव, कमलेश बाथरे, गोविंद कहार, श्याम राजदेव, पूनम रैकवार दीपक सोनी, विपिन उपाध्याय, रनदीप कहार, रवि केवट, किशोर केवट आदि ने प्रसन्नता व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित की है।

## मंदिरम्

35

# श्री सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर, तेलंगाना

श्री सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर भगवान विष्णु के प्रमुख अवतार राम को समर्पित एक हिंदू मंदिर है। यह भारत के पूर्वी तेलंगाना के भद्राचलम शहर में गोदावरी नदी के तट पर स्थित है । अक्सर इसे भद्राचलम या भद्रगिरि, भद्राद्री के नाम से जाना जाता है, मंदिर को गोदावरी के दिव्य क्षेत्रों में से एक माना जाता है और इसे दक्षिण अयोध्या के रूप में भी जाना जाता है । केंद्रीय चिह्न में चार भुजाओं वाले वैकुंठ राम को दर्शाया गया है, जिस रूप में भगवान विष्णु भद्रा की प्रार्थनाओं का उत्तर देने के लिए प्रकट हुए थे। राम की पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण केंद्रीय चिह्न का हिस्सा हैं। कुछ खातों के अनुसार भद्राचलम मंदिर का निर्माण किया गया था, और अन्य खातों के अनुसार 17वीं शताब्दी में प्रसिद्ध भक्ति संत कंचेरला गोपन्ना - जिन्हें भद्राचल रामदासु के नाम से भी जाना जाता है - ने इसकी मरम्मत की थी।

# कैबिनेट में सात नई पॉलिसी मंजूर

## मोदी बागेश्वर धाम में कैंसर हॉस्पिटल का करेंगे भूमिपूजन

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल में 22 और 23 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पीएम 23 फरवरी को छतरपुर के बागेश्वर धाम में बनने वाले कैंसर अस्पताल का भूमिपूजन करेंगे। वे रात्रि विश्राम भोपाल में करेंगे। यह जानकारी मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी।

सीएम ने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट पर फोकस करते हुए बैठक में 7 नई पॉलिसी को मंजूरी दी गई। इनमें नई फिल्म नीति, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, खिलौना उद्योग नीति, रक्षा उत्पादन प्रोत्साहन नीति, मेडिकल डिवाइस, इलेक्ट्रिकल व्हीकल, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन नीति, लॉजिस्टिक पार्क नीति और पंप स्टोरेज नीति शामिल हैं। नई फिल्म नीति में युवा-महिलाओं पर केंद्रित फिल्मों पर अतिरिक्त रियायतें मिलेगी। रोजगार और निवेश को नीतियों में प्राथमिकता में रखा गया है।

**समिट के लिए सीएम कल दिल्ली में बैठक करेंगे-** कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर बैठक में कई नीतियों को मंजूरी दी गई है। विदेशी राजदूतों और निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री कल दिल्ली में बैठक करेंगे। इसके प्रबंधन के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसमें भोपाल के प्रभारी मंत्री, डिप्टी सीएम, भोपाल-खजुराहो विधायक और खुद विजयवर्गीय भी शामिल हैं।

**नई नीतियों में रोजगार-निवेश को प्राथमिकता-** विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट द्वारा मंजूर नीतियों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार देना है। निवेशकों को अनुमतियों को लेकर किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए एनओसी की संख्या कम की गई है। सभी अनुमतियां ऑनलाइन होंगी और समय सीमा के भीतर दी जाएंगी।

### प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं की मदद भी ली

शासकीय एजेंसियां, स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से व्यवस्था की जा रही है। एम्बुलेंस और डॉक्टर की भी व्यवस्था की गई है। वाहनों की पार्किंग, पुलिस की हाईवे पेट्रोलिंग और एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। प्रयागराज से आने-जाने वालों की बड़ी संख्या को देखते हुए मार्गों को डायवर्ट कर और प्रयागराज प्रशासन से तालमेल बनाते हुए वहां से आने वालों की संख्या का अनुमान लगाकर व्यवस्था की जा रही है। महाराष्ट्र सीमा पर भी श्रद्धालुओं और वाहनों के आवागमन का प्रबंधन किया जा रहा है।

### फिल्म निर्माताओं को मिलेगी अतिरिक्त रियायत

मध्य प्रदेश में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने और स्थानीय कलाकारों को अधिक अवसर दिलाने के मकसद से नई फिल्म नीति को मंजूरी दी गई है। इस नीति के तहत साउथ की फिल्मों, छोटे बजट की फिल्मों और टीवी सीरियलों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए अनुमति दी जाएगी।

अब तक परियोजनाओं पर 700 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है। युवाओं और महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई जाने वाली फिल्मों के लिए सरकार निर्माताओं को अतिरिक्त रियायत देगी। सरकार की ओर से दिए जाने वाले अनुदान में टीवी सीरियलों के लिए एक करोड़, वेब सीरीज के लिए डेढ़ करोड़ और शॉर्ट फिल्मों के लिए 15 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है।

### सीएम बोले- प्रयागराज जाने वालों के लिए हो रही व्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकुंभ मार्ग पर लग रहे वाहनों के जाम को लेकर कहा कि मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक है। रीवा की ओर से प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रीवा, मैहर, सतना, मऊगंज और सीधी में ठहरने, भोजन और छोटे बच्चों के लिए दूध-बिस्किट सहित दूसरी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं।

# सरपंची ठेके पर देने वाली महिला सरपंच बर्खास्त

### नीमच में 500 रुपए के स्टांप पर किया था एग्रीमेंट

**नीमच (नप्र)।** नीमच जिले की दाता ग्राम पंचायत में 500 रुपए के स्टांप पेपर पर एक ठेकेदार को सरपंची सौंपने वाली महिला सरपंच को पद से हटा दिया गया है। सोमवार को जिला पंचायत के सीईओ अमन वैष्णव ने सरपंच कैलाशी बाई कछावा को पद से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया।

दरअसल, नीमच जिले की मनासा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत दांता में कैलाशी बाई सरपंच थी। आरोप लगा कि उन्होंने 500 रुपए के स्टांप पर गांव के ही सुरेश गरासिया को सरपंची सौंप दी। इस बारे में 24 जनवरी को एग्रीमेंट हुआ। एग्रीमेंट की कॉपी भी सोशल मीडिया पर सामने आई। एग्रीमेंट में गवाह के रूप में गांव के सदाराम, मन्नालाल के साइन हैं। साथ ही सुरेश के साइन और सरपंच का सील-साइन भी है।

इस मामले के मीडिया में आने के बाद सभी सबूतों और दस्तावेजों की गहन जांच की गई। जिसके बाद जिला पंचायत सीईओ ने धारा 40 के तहत कार्रवाई करते हुए सोमवार को सरपंच को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने का आदेश जारी किया।

### सरपंच के आधार कार्ड का उपयोग कर खरीदा था स्टांप पेपर

जांच के दौरान, जब गवाहों से पूछताछ की गई तो उन्होंने इस अनुबंध की जानकारी से इनकार कर दिया। स्वयं सरपंच ने भी एग्रीमेंट को फर्जी बताते हुए इससे किसी भी तरह का संबंध होने से मना कर दिया। हालांकि, जांच में यह स्पष्ट हुआ कि स्टांप पेपर कैलाशी बाई के आधार कार्ड का उपयोग करके खरीदा गया था।

# एक्सीडेंट में 10 कुंभ यात्रियों की मौत

## ट्रक, ट्रैवलर और कार टकराई, मरने वालों में सात तेलंगाना, एक गुजरात, दो इंदौर के

**जबलपुर, मैहर, पन्ना (नप्र)।** एमपी में मंगलवार रात से सुबह तक तीन सड़क हादसों में 10 कुंभ यात्रियों की मौत हो गई। जबलपुर और मैहर में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए लोग प्रयागराज से स्नान कर लौट रहे थे। तीसरा हादसा पन्ना में हुआ, इसमें गुजरात के अहमदाबाद से प्रयागराज जा रहे एक श्रद्धालु की मौत हो गई।

सबसे बड़ा हादसा जबलपुर में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे हुआ। प्रयागराज से लौट रहे हैदराबाद के 9 यात्रियों की ट्रैवलर को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक और सड़क की रेलिंग के बीच फंसी ट्रैवलर बुरी तरह पिचक गई। ट्रैवलर में फंसे लोगों को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला। दो गंभीर रूप से घायल हैं। इस हादसे के बाद सामने से आ रही एक कार ट्रैवलर और ट्रक से टकरा गई। हालांकि, कार सवार सभी लोग एयरबैग खुलने से सुरक्षित हैं।

हादसा नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर मोहला बरगी गांव के पास पुल पर हुआ। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जाम के हालात बने तो पुलिस ने वाहनों को दूसरे रास्ते से निकाला।

**सड़क की दूसरी ओर जाकर मारी टक्कर-** पुलिस ने बताया कि ट्रक जबलपुर से पुट्टी लेकर कटनी की ओर जा रहा था। मोहला बरगी के पास ट्रक का टायर फट गया। अनियंत्रित होकर वह सड़क की दूसरी साइड पहुंच गया और प्रयागराज से लौट रही ट्रैवलर को टक्कर मार दी। ट्रैवलर सवार सभी 9 लोग तेलंगाना के रहने वाले हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

**दूसरा हादसा-मैहर में इंदौर के संघ पदाधिकारी समेत 2 की मौत-** प्रयागराज से इंदौर लौट रहे कुंभ यात्रियों की एक स्कॉर्पियो मैहर में मंगलवार तड़के करीब 4 बजे डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, दो घायल हैं। हादसा नेशनल हाईवे 30 पर ड्राइवर की झपकी लगने के कारण हुआ। नादन देहात थाना प्रभारी एन बंजारे ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी मनोज विश्वकर्मा और मंजू शर्मा की मौत हो गई। गाड़ी में 7 लोग सवार थे। 5 घायलों को अमरपाटन अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें गंभीर घायल अक्षय, नरेंद्र और राजेंद्र शर्मा को सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

### दो दिन पहले तीन परिवार गए थे प्रयागराज

पुलिस ने बताया कि इंदौर के तीन परिवार स्कॉर्पियो से दो दिन पहले प्रयागराज के लिए निकले थे। जिस गाड़ी से हादसा हुआ उसमें 7 लोग सवार थे। इनमें मनोज विश्वकर्मा (42) अपनी पत्नी संजू (38) और बेटा अक्षय विश्वकर्मा (11) थे। वहीं, राजेंद्र शर्मा (38) अपनी पत्नी मंजू शर्मा (32) के साथ बैठे थे। इसके अलावा, दो दोस्त नरेंद्र (45) और मुकेश नायक (44) भी थे। लौटते समय गाड़ी मुकेश चला रहा था।

### तीसरा हादसा- पन्ना में खड़े ट्रक से टकराई इनोवा, गुजरात के श्रद्धालु की मौत

पन्ना जिले में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में गुजरात के अहमदाबाद से प्रयागराज जा रहे श्रद्धालु की मौत हो गई। उनकी इनोवा कार अनियंत्रित होकर एक खड़े ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि कार सवार निकुंज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गणेश त्रिवेदी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना सिमरिया थाना क्षेत्र के बोदा तिघरा गांव के पास की है। पुलिस ने मृतक और घायल को सिमरिया अस्पताल पहुंचाया। मृतक निकुंज के शव का मंगलवार सुबह पोस्टमॉर्टम कराया गया।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्रप्रदेश के तीर्थयात्रियों की असामयिक मृत्यु पर दु :ख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रयागराज से आ रहे आंध्रप्रदेश के तीर्थयात्रियों की भीषण सड़क दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि जबलपुर जिले के सिहोरा में नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाई-वे पर ट्रैवलर और ट्रक की भिंड़त से यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घायलों के समुचित उपचार और सभी मृतकों के परिजन से सम्पर्क कर पार्थिव देह पहुंचाने की व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज की यात्रा लंबी है, इसलिए वाहन चालकों के पर्याप्त आराम और नींद का ध्यान रखना आवश्यक है। साथ ही तेज रफ्तार से वाहन चलाने से भी बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को दुर्घटना के संबंध में जांच के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

# मध्यप्रदेश करेगा भारत के डिजिटल भविष्य का निर्माण

### जीआईएस से खुलेंगे प्रगति के नए द्वार

**भोपाल(नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किआईटी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में सबसे तेजी से आगे बढ़ता हुआ राज्य बनने की ओर अग्रसर है, जिसे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से नई ऊर्जा मिलेगी। इस सेक्टर के लिए समिट में अलग से सत्र आयोजित होगा। मध्यप्रदेश में 15 से अधिक आईटी पार्क और 5 आईटी एसईजेड हैं, जिनमें इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क और इंफोसिस जैसे प्रमुख सेंटर शामिल हैं। ये पार्क विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त हैं, जो टीसीएस, इंफोसिस और एक्सेंचर जैसी प्रमुख कंपनियों को आकर्षित करते हैं। नॉलेज सिटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 जैसी आगामी परियोजनाएं, इस इको सिस्टम को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

परिवर्तन के दौर से गुजर रहे देश के तकनीकी इको सिस्टम के विकास के अगले केन्द्र टीयर-2 शहर हैं, जो टेक इनोवेशन और निवेश के नए हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं। इसकी वजह है यहां कम परिचालन लागत, उच्च जीवन स्तर और कुशल प्रतिभा पूल की उपलब्धता। टीयर-2 शहर अब तकनीकी कंपनियों की पसंद बनते जा रहे हैं। खास बात है कि मध्यप्रदेश इंफ्रास्ट्रक्चर, टेलेंट और लागत-दक्षता प्रदान करने वाला अग्रणी राज्य है। मध्यप्रदेश का व्यापक आईटी, आईटीईएस और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विश्व स्तरीय आईटी पार्क, नॉलेज और सॉफ्टवेयर हब के साथ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित करने से निश्चित रूप से मध्यप्रदेश तकनीकी क्रांति की अगली लहर का नेतृत्व करेगा।

### 300 से अधिक तकनीकी शिक्षा संस्थान

मध्यप्रदेश की विशेषता है कि 300 से अधिक तकनीकी शिक्षा संस्थान सालाना 50 हजार से अधिक तकनीकी स्नातक तैयार करते हैं। आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर और आईआईआईटी ग्वालियर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान अत्यधिक कुशल युवाओं को गढ़ते हैं। भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क उद्योग के लिए कौशल संपन्न पेशेवर तैयार करता है।

### प्रगतिशील नीतियां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की प्रगतिशील नीतियां और इनोवेशन को बढ़ावा देने और तकनीक के क्षेत्र में विश्वस्तरीय दिग्गज कंपनियों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन की गई हैं। मध्यप्रदेश का मजबूत पॉलिसी-स्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी संचालित विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसमें आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति 2023, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025, एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025, ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति 2025 और सेमीकंडक्टर नीति 2025 शामिल हैं। ये नीतियां टेक इंफ्रास्ट्रक्चर के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए कई तरह के प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करती हैं।

## कही-सुनी

रवि भोई

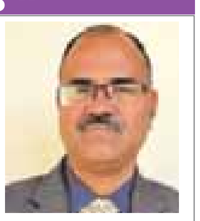

*(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)*

# आखिरकार अरुणदेव गौतम बन गए छत्तीसगढ़ के प्रभारी डीजीपी

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने 1992 बैच के आईपीएस अरुणदेव गौतम को प्रभारी डीजीपी बना दिया। अरुणदेव गौतम डीजीपी की दौड़ में छह महीने से थे। अब सवाल पूर्णकालिक डीजीपी का है। पूर्णकालिक डीजीपी की दौड़ में अरुणदेव गौतम के अलावा 1992 बैच के ही आईपीएस पवनदेव और 1994 बैच के जीपी सिंह व हिमांशु गुप्ता हैं। यूपीएससी की हरी झंडी के बाद पूर्णकालिक डीजीपी का नाम तय होगा। कहते हैं सरकार ने अशोक जुनेजा की सेवावृद्धि का इंतजार चार फरवरी की दोपहर तक किया। दोपहर तक दिल्ली से कोई सूचना नहीं आने पर अरुणदेव गौतम को प्रभारी डीजीपी बना दिया गया। बताते हैं गौतम साहब को प्रभारी डीजीपी बनाने का फैसला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ही लिया। चर्चा है कि गृहमंत्री विजय शर्मा जीपी सिंह को प्रभारी डीजीपी बनाने के पक्ष में थे, तो अशोक जुनेजा की पसंद एडीजी प्रदीप गुप्ता थे। गौतम साहब की साफ़-सुथरी छवि और वरिष्ठता काम कर गई। बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में पहली बार देखने को मिला कि विदा होते डीजीपी जाते-जाते वर्दी में नजर नहीं आए और न ही डीजीपी की कुर्सी संभालने वाले। दोनों फार्मल ड्रेस में ही दिखे। चर्चा तो यह भी है कि चार्ज लेते -देते समय न जाने वाले डीजीपी ने गर्मजोशी दिखाई और न ही आने वाले ने। गुलदस्ते का आदान-प्रदान हो गया। अशोक जुनेजा की विदाई पार्टी में अरुणदेव गौतम,पवनदेव, जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय है। प्रभारी डीजीपी अरुणदेव गौतम का चार्ज संभालने के दो दिन बाद मुख्यमंत्री से मुलाक़ात भी लोगों की जुबान पर है। श्री गौतम ने चार फरवरी को डीजीपी का काम संभाला और वे मुख्यमंत्री से छह फरवरी को मिले।

### पांच नगर निगम में भाजपा-कांग्रेस में कांटे की टक्कर

छत्तीसगढ़ में नगर निगम चुनाव के लिए 11 फ़रवरी को मतदान होने हैं। अभी प्रचार शबाब पर है। कांग्रेस और भाजपा के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी पूरी ताकत झोंकते दिख रहे हैं। नगर निगम के मेयर चुनाव को लेकर रोचक मुकाबला दिखाई पड़ रहा है। दस नगर निगमों में पांच में कांग्रेस और भाजपा में कांटे का टक्कर बताया जा रहा है। लोग पांच नगर निगम में भाजपा का पलड़ा भारी बता रहे हैं। धमतरी में भाजपा की जीत सबसे आसान मानी जा रही है। धमतरी नगर निगम में कांग्रेस का मेयर कैंडिडेट ही मैदान में नहीं है। यहां कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन परचा रद्द होने से भाजपा के लिए राह आसान हो गया। बताते हैं मेयर के चुनाव में पार्टी के साथ प्रत्याशी का चेहरा और व्यवहार भी महत्वपूर्ण हो गया है। वैसे स्थानीय निकाय चुनाव में जिसकी सरकार होती है, उसको लाभ मिलता है। मेयर चुनाव में रायपुर संभाग में भाजपा के पक्ष में माहौल बताया जा रहा है। दुर्ग संभाग में एक सीट के फंसने की खबर है। बिलासपुर संभाग में भी एक सीट पर मुकाबला कड़ा बताया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा संभाग में कड़े मुकाबले की खबर आ रही है।

### ऐजाज ढेबर से कांग्रेस की दूरी क्यों ?

कांग्रेस के राज में ऐजाज ढेबर पांच साल महापौर रहे। इस बार वे पार्षद का चुनाव लड़ रहे हैं। एक वार्ड से उनकी पत्नी भी कांग्रेस की उम्मीदवार हैं, फिर भी कांग्रेस और कुछ उम्मीदवार उनसे दूरी बनाए हुए हैं। बताते हैं स्थानीय निकाय चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा जारी घोषणा पत्र कार्यक्रम में ऐजाज ढेबर को नहीं बुलाया गया था। कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे के पोस्टर से ऐजाज ढेबर गायब बताए जाते हैं। कांग्रेस की पार्षद प्रत्याशी डॉ मोनिका जैन ने भी अपने पोस्टर में ऐजाज ढेबर का फोटो नहीं लगाया है। मोनिका जैन के पोस्टर में अन्य नेताओं के साथ युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा का फोटो जरूर है। माना जा रहा है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में रायपुर शहर और आसपास की सीटें महापौर ऐजाज ढेबर के कारण कांग्रेस हार गई। कहा जा रहा है कि इसी आशंका के कारण वर्तमान में महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे और अन्य पार्षद प्रत्याशियों में ऐजाज ढेबर से दूरी बनाने में भला समझा है। खबर है कि ऐजाज ढेबर को इस बार अपने वार्ड में चुनाव जीतने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

### चिरमिरी में भाजपा का महापौर प्रत्याशी चर्चा में

कहते हैं भाजपा ने 2019 के नगरीय निकाय चुनाव में वार्ड पार्षद का चुनाव नहीं जीत पाने वाले को चिरमिरी नगर निगम के लिए मेयर का प्रत्याशी बनाया है। कहा जा रहा है कि चिरमिरी के भाजपा मेयर प्रत्याशी राम नरेश राय पिछली दफे निर्दलीय पार्षद का चुनाव लड़ा था और चुनाव हार गए थे। राम नरेश राय राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के करीबी बताए जाते हैं। पिछली बार वार्ड का चुनाव नहीं जीत पाने के बाद भी महापौर के लिए भाजपा प्रत्याशी बनने पर राम नरेश राय चर्चा में हैं। चिरमिरी में राम नरेश राय के खिलाफ कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ विनय जायसवाल हैं। पिछली बार यहां से डॉ विनय जायसवाल की पत्नी महापौर चुनी गई थीं। तब डॉ विनय जायसवाल विधायक थे। कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनाव में डॉ विनय जायसवाल की टिकट काट दी थी।

### रायपुर में राजेश मूणत की प्रतिष्ठा दांव पर

रायपुर में भाजपा की तरफ से मीनल चौबे मेयर प्रत्याशी हैं। मीनल चौबे पिछली दफे रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष थीं, पर मीनल चौबे को पूर्व मंत्री और विधायक राजेश मूणत के कोटे का माना जाता है। बताते हैं राजेश मूणत महापौर की प्रत्याशी मीनल चौबे के चुनाव सह संचालक हैं। चुनाव संचालक से ज्यादा मूणत जी पर बोझ है। चर्चा है कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल मीनल चौबे को मेयर उम्मीदवार बनाने के पक्ष में नहीं थे। वे किसी और को चाहते थे। कहते हैं राजेश मूणत के कारण मीनल को टिकट मिली। इस कारण अब मीनल को जीताने की जिम्मेदारी भी उनकी है। रायपुर में मेयर चुनाव को लेकर भाजपा की गुटीय राजनीति चरम पर बताई जाती है , ऐसे में राजेश मूणत मीनल चौबे को कैसे जीत दिला पाते हैं, यह उनके लिए बड़ी परीक्षा है।

### महंत का शिगूफा या हकीकत ?

नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में अगला विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कर कांग्रेस के तालाब में पत्थर फेंक दिया है। टीएस सिंहदेव 2023 का विधानसभा चुनाव जीत नहीं सके। अब ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और दूसरे नेता डॉ महंत की बात को क्या स्वीकार करेंगे ? टीएस सिंहदेव की मुखालफत करने वाले अमरजीत भगत को तो डॉ महंत की बात नहीं सुहाया। डॉ महंत की लाइन के खिलाफ कितने लोग चलेंगे, यह तो नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के बाद सामने आएगा। जरूर कुछ महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष के लिए टीएस सिंहदेव का नाम चला था। अब दीपक बैज की जगह टीएस सिंहदेव अध्यक्ष बन जाते हैं, तो कांग्रेस उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस में जो प्रदेश अध्यक्ष रहता है, वह फिर मुख्यमंत्री का दावेदार हो जाता है। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज भी विधानसभा चुनाव जीत नहीं पाए थे।

### पंचायत चुनाव के बाद बदले जाएंगे कलेक्टर

कहा जा रहा है कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव खत्म होने के बाद राज्य के कुछ जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे। धमतरी की कलेक्टर नम्रता गांधी भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने वाली हैं, उनकी जगह नई पोस्टिंग हो सकती है। इसके अलावा दुर्ग संभाग और बिलासपुर संभाग के एक-दो जिलों के कलेक्टरों को बदले जाने की चर्चा है। दुर्ग संभाग के एक जिले के कलेक्टर साहब इन दिनों सुर्ख़ियों में हैं और रह-रहकर उनका नाम अखबारों में आ रहा है। बताते हैं सरकार ने उन्हें फील्ड पोस्टिंग से हटाने का मन बना लिया है। अब देखते हैं कितने जिले प्रभावित होते हैं।